शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 148 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 27 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पीएम ने एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की समीक्षा की — पेज 2
विवाहित प्रेमी ने की युवती की हत्या — पेज 3
राज्य सरकार साहिबजादों के नाम पर छात्रावास के लिए ... — पेज 5
पहले दिन का खेल खत्म, ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट पर बनाए 311 रन, चार ... — पेज 7

नहीं रहे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह 92 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन हो गया है। गुरुवार शाम उन्हें दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया था। 92 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। मनमोहन सिंह दो बार देश के पीएम रहे हैं। उनकी पत्नी और परिवार के सदस्यों के साथ ही कई कांग्रेस नेता एम्स पहुंच चुके हैं। पीएम मोदी ने सिंह के परिवार से फोन पर बात की है। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता मनमोहन सिंह को तबीयत बिगड़ने पर दिल्ली एम्स के आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया गया। मालूम हो कि 2004 से 2014 तक मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री रहे। देश की अर्थव्यवस्था में उनका अहम योगदान माना जाता है। देश के आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने में उनकी बड़ी भूमिका रही है। बात करें उनकी निजी जिंदगी की तो सिंह का जन्म 26 सितंबर -शेष पृष्ठ दो पर

चाहे परिस्थितियां कितनी भी प्रतिकूल क्यों न हों, राष्ट्र हित से बढ़कर कुछ भी नहीं : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को देश की प्रगति में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्हें कृत्रिम मेधा (एआई) व मशीन लर्निंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल प्रदान करने के लिए भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। वीर बाल दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में मोदी ने कहा कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी प्रतिकूल क्यों न हों, राष्ट्र हित से बढ़कर कुछ भी नहीं है। पीएम ने कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से हो रहे बदलावों और चुनौतियों के अनुरूप खुद को ढालने की जरूरत पर जोर दिया और सरकार की *युवाओं पर केंद्रित* नीतियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह युग मशीनों से आगे बढ़कर मशीन लर्निंग तक पहुंच गया है। एआई केंद्र में आ गया है और हम देख सकते हैं कि इसका अनुप्रयोग पारंपरिक सॉफ्टवेयर की जगह ले रहा है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमारे युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रतिभाशाली युवाओं को समर्थन देने और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। वीर बाल दिवस समारोह में मोदी ने गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों, साहिबजादों के *अद्वितीय* बलिदान को याद किया, जिन्होंने मुगल साम्राज्य के उत्पीड़न के आगे समर्पण करने के बजाय अटूट साहस और विश्वास को चुना। उन्होंने युवाओं से उनकी विरासत से प्रेरणा लेने का आग्रह करते हुए कहा कि 300 साल से भी अधिक पहले, 26 दिसंबर को, साहिबजादों ने अपनी कम आयु के बावजूद अद्वितीय वीरता दिखाकर प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने हर प्रलोभन को अस्वीकार कर दिया और अकल्पनीय यातनाएं सहन कीं, उन्होंने दिखाया कि उनके लिए राष्ट्र हित सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस एक -शेष पृष्ठ दो पर

door graph — Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

भाजपा को कांग्रेस से 2300 करोड़ अधिक दान, मतदान में महिलाएं आगे

चुनाव आयोग ने जारी किए आधिकारिक आंकड़े

नई दिल्ली। केंद्रीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक की है। देश के दो प्रमुख राजनीतिक दलों- भाजपा और कांग्रेस को 2800 करोड़ रुपए से अधिक राशि मिली। सत्तारूढ़ भाजपा को 2023-24 के दौरान 2,604.74 करोड़ रुपए से अधिक, जबकि विपक्षी पार्टी कांग्रेस को 281.38 करोड़ रुपए का योगदान मिला। रिपोर्ट में ऐसे ही दानों को सूचीबद्ध किया गया है जो लोकसभा चुनाव से पहले 31 मार्च, 2024 तक प्राप्त हुए थे। पांच साल पहले भाजपा ने 740 करोड़ रुपए से अधिक दान मिलने की घोषणा की थी। यानी पांच साल के बाद भाजपा को लगभग 2000 करोड़ रुपए अधिक मिले। दूसरी तरफ 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस ने 2018-19 में 146 करोड़ रुपए से अधिक राशि प्राप्त होने का दावा किया था। पिछली बार की तुलना में कांग्रेस को 135 करोड़ अधिक मिले। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, भाजपा को प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट से 723 करोड़ रुपए से अधिक का दान प्राप्त हुआ। ट्रायम्फ इलेक्टोरल ट्रस्ट की तरफ से भाजपा को 127 करोड़ रुपए, जबकि आइन्जीगार्टिंग इलेक्टोरल ट्रस्ट से 17 लाख रुपए से अधिक का दान मिला। इस वर्ष हुए लोकसभा चुनाव में देश के छह राष्ट्रीय दलों ने कुल वैध मतों में से 63 प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी (बसपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) [सीपीआई (एम)], आम आदमी पार्टी (आप) और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) छह राष्ट्रीय दल हैं। चुनाव आयोग (ईसी) ने गुरुवार को जो आंकड़े जारी किए हैं इसके अनुसार, छह मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दलों के अलावा, 47 मान्यता प्राप्त राज्य दलों और 690 पंजीकृत, गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों ने संसदीय चुनाव लड़े। आंकड़ों के अनुसार, 3,921 स्वतंत्र उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा, लेकिन उनमें से केवल सात ही निर्वाचित हुए। इसके अलावा, 3,905 स्वतंत्र उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। उनका वोट शेयर कुल वैध मतों का 2.79 प्रतिशत रहा। 3,921 स्वतंत्र उम्मीदवारों में से 279 महिलाएं थीं। 2024 में नोटा (इनमें से कोई नहीं) विकल्प को 63,71,839 या 0.99 प्रतिशत वोट मिले, जबकि 2019 में यह आंकड़ा 1.06 प्रतिशत था। 2019 में 91.19 करोड़ से अधिक की तुलना में 2024 में 97.97 करोड़ से अधिक नागरिकों ने खुद को मतदाता के रूप में -शेष पृष्ठ दो पर

असम पुलिस ने शुरू की हॉटेस्ट न्यू ईयर डील

गुवाहाटी। नए साल के जश्न के करीब आने के साथ ही असम पुलिस ने नशे में वाहन चलाने को हतोत्साहित करने के लिए एक मजाकिया और प्रभावशाली अभियान शुरू किया है, जिसमें हास्य के साथ जिम्मेदारी का एक मजबूत संदेश भी शामिल किया गया है। अभियान की टैगलाइन कि असम पुलिस का सबसे हॉट न्यू ईयर डील: *नशे में गाड़ी चलाएं, किसी बात का अफसोस न करें, और बिना हथकड़ी या हैंगओवर के जागें,* अपने अभिनव दृष्टिकोण के कारण व्यापक ध्यान आकर्षित कर रही है। रचनात्मकता को और बढ़ाते हुए, एक प्रचार संदेश में लिखा है कि सीमित समय की पेशकश: जिम्मेदार होने पर जेल नहीं! शराब पीकर गाड़ी न चलाएं। शब्दों का चतुराईपूर्ण खेल और हल्के-फुल्के लहजे का उद्देश्य जश्न मनाने वालों को सड़क सुरक्षा की गंभीरता से अवगत कराना है। यह पहल सभी के लिए सुरक्षित नववर्ष सुनिश्चित करने के पुलिस विभाग के व्यापक प्रयासों -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
आत्मरक्षा से सबकी रक्षा होती है।
- आचार्य चाणक्य

कानून-व्यवस्था का जिम्मा आईआरबी जवानों पर, सीएम ने दिए सख्ती के संकेत

इंफाल। मणिपुर सरकार ने इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के नवनियुक्त कर्मियों के लिए आदेश जारी किया। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा कि 10वीं और 11वीं आईआरबी के नवनियुक्त कर्मियों को जिन्होंने हाल ही में असम में अपना प्रशिक्षण समाप्त किया, उन्हें विशेष अभ्यास से गुजरना होगा। इसका एकमात्र उद्देश्य यह है कि कर्मियों को राजमार्ग सुरक्षा और कानून को संभालने के लिए तैनात किया जा सके। पूर्वी इंफाल जिले के पांगेई में मणिपुर पुलिस ट्रेनिंग सेंटर का दौरा करने के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बहाल किए गए लोगों को इस केंद्र मों विशेष प्रशिक्षण से गुजरना होगा। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने कहा कि पांगेई में नवनियुक्त कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण से गुजरना होगा। यहां उन्हें सिखाया जाएगा कि कानून और व्यवस्था की -शेष पृष्ठ दो पर

असम पुस्तक मेला खानापाड़ा में आज से

गुवाहाटी। असम पुस्तक मेला 27 दिसंबर से 7 जनवरी तक खानापाड़ा स्थित वेटरनरी कॉलेज मैदान में आयोजित किया जाएगा। पब्लिकेशन बोर्ड असम और ऑल असम पब्लिशर्स एंड बुक सेलर्स एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में भारत और पड़ोसी देशों के विविध प्रकाशक और पुस्तक विक्रेता भाग लेंगे। आयोजन स्थल में यह परिवर्तन जीएनबी फ्लाईओवर पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण, कार्यक्रम के पारंपरिक स्थल, असम इंजीनियरिंग संस्थान के खेल के मैदान -शेष पृष्ठ दो पर

भारत 2030 तक मलेरिया मुक्त हो जाएगा : स्वास्थ्य मंत्रालय

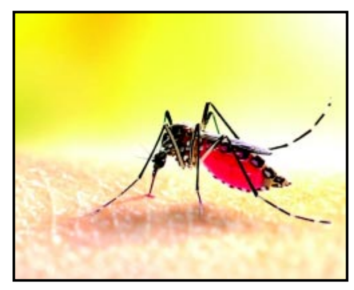

नई दिल्ली / गुवाहाटी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, भारत ने मलेरिया के मामलों को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, 1947 में स्वतंत्रता के समय 75 मिलियन से घटकर 2023 में केवल 2 मिलियन रह गए हैं। मौतों में और भी अधिक उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है, जो सालाना 800,000 से घटकर पिछले साल केवल 83 रह गई है - 99.99 प्रतिशत की कमी। बुधवार को मंत्रालय के बयान में पिछले 75 वर्षों में देश के सबसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक से निपटने के लिए किए गए -शेष पृष्ठ दो पर

इंडी गंठबंधन में दरार

आप ने कांग्रेस को दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम, ममता-लालू भी चल रहे नाराज

नई दिल्ली। आईएनडीआई गठबंधन में ममता बनर्जी, लालू यादव व अखिलेश यादव के बाद अब आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के विरोध में मोर्चा खोल दिया है। गत लोकसभा चुनाव में एक साथ मिलकर चुनाव लड़ने के बाद अब दिल्ली विधानसभा चुनाव में दोनों पार्टी एक दूसरे के विरोध में चुनाव मैदान में हैं। कांग्रेस आप सरकार की नीतियों का विरोध करने के साथ ही भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अरविंद केजरीवाल को घेर रही है। वहीं बुधवार को कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन ने आप से गठबंधन को बड़ी भूल बताने के साथ ही केजरीवाल को राष्ट्रविरोधी -शेष पृष्ठ दो पर

खतरे में है महात्मा गांधी की विरासत : सोनिया गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) प्रमुख सोनिया गांधी ने गुरुवार को नई दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों पर महात्मा गांधी की विरासत को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी विरासत को दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों और उन्हें पोषित करने वाली विचारधाराओं और संस्थानों से खतरा है। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में पढ़े गए अपने संदेश में, सोनिया गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर जमकर हमला बोला और उन ताकतों से लड़ने का आह्वान किया, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया कि उन्होंने जहरीला माहौल बनाया, जिसके कारण महात्मा गांधी की हत्या हुई। सोनिया गांधी ने कहा कि यह हमारे देश के इतिहास में एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर था। आज, हम महात्मा गांधी की विरासत को संरक्षित, संरक्षित और बढ़ावा -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस को अपनी संगठनात्मक शक्ति को बढ़ाना होगा : खड़गे

नई दिल्ली (हि.स.)। कर्नाटक के बेलगावी में गुरुवार को कांग्रेस की विस्तारित कार्य समिति की बैठक में *नव सत्याग्रह* की शुरुआत हो गई। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उद्घाटन भाषण में कहा कि हमें अपनी संगठनात्मक शक्ति को बढ़ाना होगा। हमारे समर्थक जानना चाहते हैं कि हम अपने आप को शक्तिशाली बनाने के लिए क्या करने वाले हैं? वैसे लोग जो हमारे समर्थक नहीं है परन्तु केंद्र सरकार से अपनी -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदू मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्ति के लिए विहिप ने की देशव्यापी अभियान की घोषणा

नई दिल्ली (हि.स.)। हिन्दू मंदिरों की सरकारी नियंत्रण से मुक्ति के लिए विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने अगले महीने से देश व्यापी जन-जागरण अभियान शुरू करने की घोषणा की है। विहिप के संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने गुरुवार को यहां प्रेस वार्ता में यह घोषणा की। मिलिंद परांडे ने कहा कि अब सभी राज्य सरकारों को मंदिरों के नियंत्रण, प्रबंधन और दैनंदिनी कार्यों से स्वयं को अविलंब अलग कर लेना चाहिए, क्योंकि उनका यह कार्य हिंदू समाज के प्रति भेदभावपूर्ण है। संतों और हिंदू समाज के श्रेष्ठ लोगों की अगुवाई में आगामी 5 जनवरी से इस -शेष पृष्ठ दो पर

मुस्लिम देशों ने ही पाकिस्तानियों की एंट्री पर लगाया बैन, वीजा देने से साफ इनकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के नागरिकों के लिए खाड़ी देशों में यात्रा और रोजगार के अवसरों पर संकट गहरा गया है। संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.) और कई अन्य खाड़ी देशों ने पाकिस्तान के 30 शहरों के नागरिकों को वीजा देने से मना कर दिया है और उनके लिए अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगा दिए हैं। इस निर्णय ने पाकिस्तान के नागरिकों के लिए इन देशों में यात्रा, काम और बसने के रास्ते को मुश्किल बना दिया है। विशेषकर यू.ए.ई. ने पाकिस्तानियों के वीजा आवेदन के लिए पुलिस द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र (सी.सी.पी.) की अनिवार्यता लागू कर दी है, जिससे वीजा प्रक्रिया और भी जटिल हो गई है। इस वीजा प्रतिबंध के पीछे प्रमुख कारण पाकिस्तान से खाड़ी देशों में अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों की बढ़ती संख्या है। पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान से बड़ी संख्या में लोग खाड़ी देशों में आकर ड्रग तस्करी, मानव तस्करी और भिखारी बनकर बस गए हैं। इन घटनाओं ने खाड़ी देशों को चिंतित कर दिया है और -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश के सचिवालय में लगी आग, सरकारी दस्तावेज जलकर खाक

ढाका। ढाका में बांग्लादेश सचिवालय की एक प्रमुख इमारत में गुरुवार को भीषण आग लग गई, जिससे सरकारी दस्तावेज नष्ट हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों को आशंका है कि सरकारी दस्तावेजों को नुकसान पहुंचाने की मंशा से ही घटना को अंजाम दिया गया और इस संबंध में एक उच्च स्तरीय जांच समिति गठित की गई है। बांग्लादेश सचिवालय की इमारत संख्या सात में आग लगी और करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, नौ मंजिला इमारत में सात मंत्रालय मौजूद हैं। उच्च सुरक्षा वाले परिसर में गुरुवार सुबह आग लगी। हालांकि, आग की घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन सेवा के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल जाहेद -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पीएम ने एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की समीक्षा की

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को देशभर में फैली एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए प्रगति बैठक की अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र और राज्य स्तर पर सभी सरकारी अधिकारियों को यह समझना होगा कि परियोजनाओं में देरी से न केवल लागत बढ़ती है बल्कि जनता को अपेक्षित लाभ मिलने में भी बाधा आती है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को प्रगति के 45वें संस्करण की बैठक की अध्यक्षता की। यह केंद्र और राज्य सरकारों को शामिल करते हुए सक्रिय शासन और समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए आईसीटी-आधारित मल्टी-मॉडल प्लेटफॉर्म है। बयान में कहा गया कि बैठक में आठ महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा की गई, जिनमें शहरी परिवहन की छह मेट्रो परियोजनाएं एवं सड़क संपर्क तथा ताप विद्युत से संबंधित एक-एक परियोजना शामिल थी। विभिन्न राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में फैली इन परियोजनाओं की संयुक्त लागत एक लाख करोड़ रुपए से अधिक है। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने बैंकिंग और बीमा क्षेत्र से जुड़ी जन शिकायतों की भी समीक्षा की। प्रधानमंत्री ने शिकायतों के निपटान में लगने वाले समय में कमी पर भी ध्यान दिया और शिकायतों के निपटान की गुणवत्ता पर भी जोर दिया। बयान में कहा गया है कि अधिकाधिक शहरों में मेट्रो परियोजनाएं पसंदीदा सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों में से एक बन गई हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री ने उन शहरों में अनुभव साझा करने के लिए कार्यशालाएं आयोजित करने की सलाह दी, जहां परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं या पाइपलाइन में हैं, ताकि अनुभवों से सर्वोत्तम प्रथाओं और सीखों को हासिल किया जा सके। समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं के क्रियान्वयन के दौरान परियोजना प्रभावित परिवारों के समय पर पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने नए स्थान पर गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं प्रदान करके ऐसे परिवारों के लिए जीवनयापन को आसान बनाने को भी कहा। प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की भी समीक्षा की। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण विक्रेता पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करके राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में छतों की स्थापना की क्षमता बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने मांग सृजन से लेकर छतों पर सौर ऊर्जा के संचालन तक की प्रक्रिया में लगने वाले समय को कम करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने राज्यों को चरणबद्ध तरीके से गांवों, कस्बों और शहरों के लिए संतृप्ति दृष्टिकोण अपनाने का भी निर्देश दिया। बयान में कहा गया कि प्रगति बैठकों के 45वें संस्करण तक लगभग 19.12 लाख करोड़ रुपए की कुल लागत वाली 363 परियोजनाओं की समीक्षा की गई है।

बंगाईगांव में आग में जले कई घर

बंगाईगांव (हिंस)। बंगाईगांव जिले के बालारपेट में भीषण आग लग गई। इस आग में सोनमान अली, रफीकुल इस्लाम और समद अली के घर पूरी तरह जलकर राख हो गए। आशंका जताई जा रही है कि आग विद्युत शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। इस घटना में लगभग 20 लाख रुपये की संपत्ति के जलकर नष्ट होने का अनुमान है। स्थानीय लोगों और अग्निशमन दल ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। हालांकि, आग के कारण सभी जरूरी दस्तावेज भी जलकर नष्ट हो गए। हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। उधर हाजो के उखुरा में बीती रात लगी भीषण आग में लाखों रुपये की संपत्ति जल गई। आग से भारी मात्रा में धान जल गया। आग उखुरा गांव के किसान मंसूर अली के धान के खलिहान में लगी। खेतों से काटकर रखा गया धान भी आग में जल गया। स्थानीय लोगों को संदेह है कि कुछ बदमाशों ने धान में आग लगा दी होगी।

ट्रांसजेंडर से शादी करने जा रहा था बेटा सदमे में मां-बाप ने किया आत्महत्या

अमरावती। आंध्र प्रदेश के नंदयाल से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां ट्रांसजेंडर से शादी करने की जिद पर अड़े युवक के माता-पिता ने सुसाइड कर ली। वह अपने बेटे की जिद से परेशान थे। पुलिस ने दंपति के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस की शुरूआती जांच में ट्रांसजेंडर द्वारा दंपति को सार्वजनिक रूप से अपमानित करने और पैसे मांगने का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, नंदयाल जिले में सुनील कुमार द्वारा ट्रांसजेंडर से शादी करने की जिद कर रहा था। इससे उसके माता-पिता परेशान थे। बेटे की हरकत से दुखी होकर उन्होंने कथित तौर पर खुदकुशी कर ली। सुनील कुमार पिछले तीन वर्षों से ट्रांसजेंडर के संपर्क में था। उसने ट्रांसजेंडर के डेढ़ लाख रुपए खर्च कर दिए थे। नंदयाल के उप-संभागीय पुलिस अधिकारी पी श्रीनिवास रेड्डी ने मीडिया को बताया कि सुनील कुमार के पिता सुब्बा रायडू और मां सरस्वती ने खुदकुशी की है। उनका बेटा सुनील कुमार पिछले तीन वर्षों से स्थानीय ट्रांसजेंडर समुदाय से जुड़ा हुआ था, जिसको लेकर हुए विवाद के बाद उसके माता-पिता ने सुसाइड कर ली। पुलिस ने बताया कि सुनील तीन वर्षों से एक ट्रांसजेंडर के साथ रिश्ते में था। वह किसी भी युवती से शादी नहीं करना चाह रहा था। वह ट्रांसजेंडर के साथ ही रहने इच्छुक था। इस वजह से सुनील की उसके माता पिता से विवाद होता था। पुलिस ने बताया कि सुनील ने भी पहले इस मामले को लेकर आत्महत्या का प्रयास किया था। पुलिस जांच में पता चला कि सुनील ने ट्रांसजेंडरों के 1.5 लाख रुपए खर्च कर दिए थे, जिसके बाद ट्रांसजेंडर उसके माता-पिता से ये रकम मांगने लगे और धमकी देने लगे।

संतरा बागान में लगी आग

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के बाहरी इलाका सोनापुर थाना क्षेत्र के दन्दराई इलाके में संतरा के बागान में पर्यटकों के लिए बनाए गए कॉटेज में आग लगने की वजह से देखते ही देखते कॉटेज पूरी तरह जलकर राख हो गया। असम-मेघालय सीमावर्ती इलाका दन्दराई में हाल ही में संतरा के किसानों द्वारा संतरा महोत्सव का आयोजन किया गया था। काति राहांग मालिकाधीन संतरा के बागान में देसी विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कॉटेज बनाया गया था। जिसमें किसी ने आग लगा दी। आग की वजह से पर्यटकों के लिए बनाया गया कॉटेज पूरी तरह जलकर राख हो गया।

भीषण दुर्घटना में एक की मौत व एक घायल

गोलाघाट (हिंस)। जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 39 नंबर पर नुमलीगढ़ में पोंका प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप एक बस ने मोपेडसवार को टक्कर मार दी। हादसे में मोपेडसवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। खबर लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। नुमलीगढ़ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त बस को जब्त कर ली। पुलिस ने घायल को विवेकानंद सेंटर एनआरएल अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मृतक और घायल की पहचान नहीं हो सकी है। उधर धुबड़ी जिले के गौरीपुर में एक युवक का शव बरामद किया गया है। युवक का शव गौरीपुर के तारघाट राष्ट्रीय राजमार्ग 17 के किनारे से बरामद हुआ। गुरुवार सुबह स्थानीय लोगों ने रक्तरंजित स्थिति में शव देखकर गौरीपुर पुलिस को सूचना दी।

सांसद फणीभूषण चौधरी अचानक बीमार

बंगाईगांव (हिंस)। असम गण परिषद (अगप) के वरिष्ठ नेता और बरपेटा के सांसद फणीभूषण चौधरी अचानक बीमार हो गए। फिलहाल उन्हें गुवाहाटी के हेल्थ सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के अनुसार, बुधवार की शाम सांसद अचानक अस्वस्थ हो गए। उन्हें तुरंत बंगाईगांव के लोअर असम अस्पताल ले जाया गया। लेकिन, उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए गुवाहाटी स्थानांतरित कर दिया है।

No.DDB-24/15th FC/Tied/2024/955 *Date 26/12/2024*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed Tenders are invited with affixing non refundable court fee of Rs. 8.25 (Rupees Eight and twenty-five paise) only by the undersigned, BTC, Kokrajhar from the intending Contractors/Suppliers/Firms for the works mentioned below under 15th FC (Tied) for the year 2024-25.

Sl. No.	Name of Activity	Estimated value (in Rs.)	EMD/Bid Security, (in Rs.1%ST, SC & 2% Oth)	Tender fees (in Rs.)	Pre-bid Date & Time	Last Date & Time of Bid submission	Date & Time of Bid Opening
1	Const, of Community Toilet at Ghoramari RCC.	Rs. 11,00,000.00	1 % for reserve category & 2% for unreserved	Rs. 350.00	30/12/2024 10:30 A.M.	17/01/2025 02:00 P.M.	17/01/2025 02:30 P.M.

* The Tender document can be seen/obtained from the undersigned during Office hours a pre-bid meeting will be held as mentioned above.

* The address for the meeting is BDO's Chamber Dotma Dev. Block, Dotma. The bid will be opened in the Office of the undersigned as per the schedule mentioned above.

* The TIA reserves the right to accepts or reject any bid/tender and to cancel/annual the bidding process and reject all bids at any time prior to contract award.

Sd/- Block Development Officer,
Dotma Dev. Block, Dotma

IPR(BTC)-2023-24/1193

पृष्ठ एक का शेष

नहीं रहे पूर्व ...

1932 को हुआ। 1947 में विभाजन के बाद उनका परिवार भारत आया। मनमोहन सिंह ने पंजाब विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से डी.फिल. की डिग्री ली। मनमोहन सिंह का सियासी सफर 1990 के दशक की शुरुआत में शुरू हुआ, जब वो तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री बने। इस दौरान उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को उदार बनाने में अहम भूमिका निभाई। ऐसे सुधारों को लागू किया जिससे निजी उद्यम को बढ़ावा मिला। साल 1991 में देश के सामने आए गंभीर आर्थिक संकट को कम करने में उन्होंने अहम रोल अदा किया। माना जाता है कि उनकी नीतियों ने उनकी प्रतिष्ठा को मजबूत किया। वित्त मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में सत्ता में लौटने से पहले वो राज्यसभा में विपक्ष के नेता रहे। 2004 में जब मनमोहन सिंह देश के पीएम बने तो उन्होंने सामाजिक-आर्थिक विकास पर केंद्रित सरकार का नेतृत्व किया। उनकी लीडरशिप में देश की डीजीपी का औसत 8 प्रतिशत-9 प्रतिशत रहा। हालांकि, उनके शासन काल में सरकार पर विभिन्न घोटालों के आरोप भी लगे। मगर, मनमोहन सिंह की व्यक्तिगत ईमानदारी कसौटियों में खरी उतरी। बात जब अर्थव्यवस्था की होती है तो मनमोहन सिंह को देश की आर्थिक स्थिति बदलने का श्रेय दिया जाता है। उनके कार्यकाल में देश दुनिया भर में तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में उभरा। अमेरिका के साथ उनके संबंध अच्छे रहे। यही वजह रही कि ऐतिहासिक असैन्य परमाणु समझौता भी हुआ।

चाहे परिस्थितियां कितनी...

स्थायी सबक सिखाता है कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी प्रतिकूल क्यों न हों, राष्ट्र हित से बढ़कर कुछ भी नहीं है। राष्ट्र हित में किया गया प्रत्येक कार्य वीरता का कार्य है। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के विजेताओं से भी बातचीत की। 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को कला व संस्कृति, वीरता, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, समाज सेवा, खेल और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए मोदी ने कहा कि इन बच्चों ने दिखा दिया है कि भारत के युवा क्या हासिल करने में सक्षम हैं। मैं राष्ट्र की ओर से सभी विजेताओं को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने नीतियों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने पर सरकार के ध्यान के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप से लेकर विज्ञान, खेल से लेकर उद्यमिता तक, परिवर्तन की एक नई लहर चल रही है। हमारी नीतियां युवाओं को ताकत देने को प्राथमिकता देती हैं। चाहे वह स्टार्टअप इकोसिस्टम हो, अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का भविष्य हो, या खेल व फिटनेस हो, हमारी सभी पहल युवाओं पर केंद्रित हैं। प्रधानमंत्री ने *सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान* की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य सक्रिय सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से पोषण परिणामों में सुधार करना है। यह पहल हर भारतीय की बेहतरी सुनिश्चित करने के सरकार के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है। मोदी ने युवा भारतीयों से साहस, नवाचार व सेवा के मूल्यों को अपनाने का आग्रह किया ताकि राष्ट्र को अधिक एकता व प्रगति की ओर अग्रसर किया जा सके।

भाजपा को कांग्रेस से ...

पंजीकृत किया था। जिसमें 7.43 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली। चुनाव आयोग ने कहा कि इन पंजीकृत मतदाताओं में से 64.64 करोड़ ने 2024 में वोट डाले, जबकि 2019 में यह आंकड़ा 61.4 करोड़ था। इस साल पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने अधिक वोट डाले हैं। निर्वाचन आयोग के मुताबिक इस साल के चुनाव में महिला मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 65.78 रहा जबकि पुरुष मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 65.55 रहा। आयोग ने कहा कि इस बार चुनाव लड़ने वाली महिला उम्मीदवारों की संख्या 800 रही जबकि 2019 के चुनावों में यह संख्या 726 थी। आंकड़े जारी करने के मकसद पर निर्वाचन आयोग ने कहा कि स्वत: संज्ञान लेकर यह पहल की गई है। इसका मकसद जनता का विश्वास बढ़ाना है। यही भारत की चुनावी प्रणाली का आधार भी है। यह भी दिलचस्प है कि आंकड़े जारी करने से पहले लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान के आंकड़ों में हेराफेरी के आरोप लगे हैं। आयोग आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कई बार जवाब दे चुका है। अब ये आंकड़े चार विधानसभा चुनावों - अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम से भी संबंधित हैं। निर्वाचन आयोग ने यह भी बताया है कि 2019 में 540 बूथों पर दोबारा मतदान कराने पड़े थे। इसकी तुलना में कुल 10.52 लाख मतदान केंद्रों में केवल 40 मतदान केंद्रों पर ही पुनर्मतदान की नौबत आई।

असम पुलिस ने ...

का हिस्सा है। राज्य भर में अधिकारी गश्त बढ़ा रहे हैं, श्वास परीक्षण कर रहे हैं, तथा नशे में वाहन चलाने के परिणामों के बारे में जागरूकता बढ़ा रहे हैं। इस अभियान को सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से प्रशंसा मिली है, तथा कई लोगों ने विभाग की रचनात्मक संचार के लिए सराहना की है। जैसे-जैसे नया साल नजदीक आ रहा है, असम पुलिस को उम्मीद है कि उनका अभियान सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में योगदान देगा और यह सुनिश्चित करेगा कि त्योहार सभी के लिए आनंदमय और सुरक्षित रहें।

असम पुस्तक मेला ...

की अनुपलब्धता के कारण किया गया है। इस साल मेले में 150 से ज्यादा स्टॉल लगाए जाने की उम्मीद है, जिनमें अलग-अलग विधाओं और भाषाओं की किताबें दिखाई जाएंगी। हालांकि, पिछले संस्करणों के विपरीत, इस साल भारत और बांग्लादेश के बीच चल रहे द्विपक्षीय मुद्दों के कारण बांग्लादेशी प्रकाशक इसमें भाग नहीं लेंगे, जैसा कि प्रकाशन बोर्ड असम के सचिव प्रमोद कलिता ने पुष्टि की है। आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए पुस्तक विमोचन, साहित्यिक चर्चा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित विशेष कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। आयोजकों का लक्ष्य विशाल नए स्थल पर अधिक से अधिक दर्शकों को आकर्षित करना है, साथ ही बढ़ी हुई संख्या में आने वाले लोगों के लिए बेहतर सुविधाएं और पार्किंग सुविधाएं भी उपलब्ध कराने की उम्मीद है। असम पुस्तक मेला पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक प्रमुख साहित्यिक आयोजन के रूप में उभर कर सामने आया है, जो पढ़ने के प्रति रुचि को बढ़ावा देता है तथा स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशकों को पाठकों से जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करता है। प्रकाशन बोर्ड, जिसका गठन राज्य सरकार द्वारा 1958 में साहित्यिक गतिविधियों को प्रायोजित करने, प्रोत्साहित करने और सहायता देने के उद्देश्य से किया गया था, अस्सी के दशक से शहर में गुवाहाटी पुस्तक मेले का आयोजन करता रहा है, जिसमें तत्कालीन प्रकाशन सचिव और प्रख्यात लेखक चंद्र प्रसाद सैकिया ने अग्रणी भूमिका निभाई थी।

भारत 2030 तक...

अथक प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। स्वतंत्रता के समय मलेरिया बहुत अधिक फैला हुआ था, जिससे हर साल लाखों लोग प्रभावित होते थे। आज, भारत एक वैश्विक उदाहरण के रूप में खड़ा है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के उच्च बोझ से उच्च प्रभाव (एचबीएचआई) समूह से बाहर निकल गया है, जैसा कि डब्ल्यूएचओ की नवीनतम विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2024 में बताया गया है। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि यह उल्लेखनीय उपलब्धि मलेरिया को खत्म करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करने के भारत के दृढ़ संकल्प को रेखांकित करती है।

कानून-व्यवस्था का ...

स्थिति को कैसे संभालना है। अगर अभी कर्मियों को विभिन्न पुलिस स्टेशनों में तैनात किया जाएगा तो उनका मनोबल गिर सकता है। इसलिए हमने उन्हें एक ही स्थान पर रखने और जहां भी जरूरत होगी उनकी सेवाओं को इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि कुछ कर्मियों को राजमार्ग सुरक्षा के लिए रखा जाएगा, जबकि अन्य को कानून और व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए रखेंगे। सीएम बीरेन सिंह ने कहा कि कई पुलिसकर्मियों को फिर से एक बार अपने कोर्स से गुजरना होगा। उन्होंने बताया कि नुंगबा और सैवोम में 10वीं और 11वीं आईआरबी के बटालियन मुख्यालयों में निर्माण और रखरखाव का काम भी जारी है। मुख्यमंत्री ने बहाल किए गए कर्मियों के परिवारवालों से ट्रांसफर के लिए मंत्रियों से सिफारिश न करने की अपील की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सीएम बीरेन सिंह ने कहा कि आज मैंने नवनिर्मित बैरक का निरीक्षण करने के लिए पांगेई में मणिपुर पुलिस प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया। इसका उपयोग जल्द ही किया जाएगा। राज्य में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए नवनियुक्त कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण से गुजरना होगा। पूरे मणिपुर में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमारे पुलिस बल की ताकत को बढ़ाने के लिए यह कदम लिया गया है। उन्होंने कहा कि स्कूल-कॉलेजों में शरण लेकर रहने वाले विस्थापित लोगों के लिए घर बनाए जा रहे हैं।

आप ने कांग्रेस को ...

व मौकापरस्त तक कह दिया था। इससे नाराज आप ने आईएनडीआई गठबंधन से कांग्रेस को बाहर करने की मांग उठाने की चेतावनी दी है। आप नेता व मुख्यमंत्री आतिशी ने आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह के साथ प्रेसवार्ता कर माकन के बयान पर कांग्रेस से कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के मुखिया केजरीवाल पर इस तरह के बयान के बाद कांग्रेस के साथ गठबंधन में रह पाना संभव नहीं है। उन्होंने केजरीवाल के खिलाफ बयान देने पर कांग्रेस को माकन के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि अगर 24 घंटे में कांग्रेस माकन पर कार्रवाई नहीं करती है तो उनकी पार्टी घटक दलों से कांग्रेस को गठबंधन से बाहर किए जाने की मांग उठाएगी। आप के तेवरों से साफ है कि गठबंधन को लेकर मामला और गर्मा सकता है। क्योंकि जिस तेवर में माकन ने आप पर हमला बोला है और गत लोकसभा चुनाव में आप के साथ गठबंधन को बड़ी भूल बताया है सूत्रों की मानें तो कांग्रेस न ही माकन के खिलाफ कार्रवाई करने वाली है और न ही आप के दबाव के आगे झुकने वाली है। जो हालात बन रहे हैं उसमें ममता बनर्जी, लालू प्रसाद यादव और अखिलेश के बाद अब आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल कांग्रेस को आईएनडीआई गठबंधन से बाहर करने की योजना बनाते दिख रहे हैं। गत दिनों अखिलेश यादव हर मोर्चे पर आप को समर्थन देने का वादा कर चुके हैं। माना जा रहा है कि गठबंधन से कांग्रेस को बाहर किए जाने की आप मांग उठाती है तो वह केजरीवाल के साथ खड़े दिखाई दे सकते हैं। इससे पहले आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की दावेदारी का समर्थन कर चुके हैं। लालू यादव चाहते हैं कि ममता बनर्जी को आने वाले समय में गठबंधन की अगुवाई करने का मौका मिले। गत दिनों संसद में भी विपक्षी आईएनडीआई में फूट खुलकर सामने आ चुकी है कि जब ममता की पार्टी टीएमसी ने संसद न चलने देने का आरोप भाजपा के साथ साथ कांग्रेस पर भी लगाया था।

खतरे में है महात्मा ...

देने के लिए खुद को फिर से समर्पित करते हैं। वह हमारी प्रेरणा के मूल स्रोत रहे हैं और रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह वह ही थे जिन्होंने उस पीढ़ी के हमारे सभी उल्लेखनीय नेताओं को तैयार किया और उनका मार्गदर्शन किया। उनकी विरासत को नई दिल्ली में सत्ता में बैठे लोगों और उन्हें पोषित करने वाली विचारधाराओं और संस्थानों से खतरा है। गांधी ने कहा कि इन संगठनों ने कभी भी हमारी आजादी के लिए लड़ाई नहीं लड़ी। उन्होंने महात्मा गांधी का कटु विरोध किया। उन्होंने एक विषाक्त वातावरण बनाया जिसके कारण उनकी हत्या हुई। वे उसके हत्यारों का महिमामंडन करते हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि देश भर में विभिन्न स्थानों पर गांधीवादी संस्थानों पर हमले हो रहे हैं और कहा कि यह उचित है कि इस बैठक को *नव सत्याग्रह बैठक* कहा जाए। उन्होंने कहा कि अब यह हमारा पवित्र कर्तव्य है कि हम इन ताकतों का पूरी ताकत से और अडिग दृढ़ संकल्प के साथ मुकाबला करने के अपने संकल्प को नवीनीकृत करें।

कांग्रेस को अपनी...

उम्मीद खो बैठे हैं, वो भी जानना चाहते हैं कि हम कैसे अपने आप को मजबूत बनाएंगे। बैठक शुरू होने से पहले मल्लिकार्जुन खड़गे ने झंडोत्तोलन किया। उससे पहले पार्टी अध्यक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने मार्च किया। खड़गे ने बैठक में शामिल पदाधिकारियों और नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि आज कांग्रेस के इतिहास में बहुत सुनहरा दिन है। गांधी जी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के सौवें वर्ष पर बेलगावी (बेलगांव) में महात्मा गांधी नगर में ऐतिहासिक नव सत्याग्रह बैठक हो रही है। 100 साल पहले यहीं 26 दिसंबर 1924 को 3 बजे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली थी। इससे पहले मौलाना मुहम्मद अली जौहर कांग्रेस अध्यक्ष थे। इस मौके पर सेवादल के संस्थापक डा. एनएस हार्डिकर को याद कर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। यहीं से कांग्रेस के इतिहास में रोज सुबह राष्ट्रीय ध्वज समारोह पूर्वक फहराने और शाम को उतारने का सिलसिला आरंभ हुआ। खड़गे ने कहा कि गांधीजी केवल एक बार एक साल के लिए ही कांग्रेस अध्यक्ष बने थे। गांधीजी ने छुआछूत और भेदभाव के खिलाफ मुहिम को कांग्रेस के मुख्य एजेंडे में शामिल किया। कांग्रेस के पास राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और नेहरू की विरासत है। गांधीजी ने उन दिनों कोहाट और गुलबर्गा जैसे शहरों में हो रहे सांप्रदायिक दंगों से आहत होकर चिंता व्यक्त की थी। आज का सत्ताधारी दल और उनके नेता खुलेआम भड़काऊ नारे देते हैं और उनके बड़े नेता ही समाज में सद्भाव बिगाड़ रहे हैं, समुदायों के बीच नफरत फैला रहे हैं। पिछले 140 वर्षों की यात्रा में पार्टी ने बहुत उतार चढ़ाव देखे, पर कांग्रेस आज भी गांधीजी के विचारों की रोशनी में उनके सिद्धांतों को समर्पित और उसूलों पर कायम है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कर्नाटक उनका गृह राज्य है। आज हम जब 100 वर्ष पुराने ऐतिहासिक क्षण को पुनर्जीवित कर रहे हैं तो कर्नाटक में गांधीजी के विचारों की सरकार चल रही है। संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए महात्मा बसेश्वर, महात्मा फुले और बाबा साहेब आंबेडकर जैसे महापुरुषों के दिखाए विचारों पर आगे बढ़ रही है। हमने संसद सत्र में संविधान पर हो रही चर्चा के दौरान बाबा साहेब आंबेडकर के बारे में गृहमंत्री का घोर अपमानजनक बयान सुना। हमने आपत्ति दर्ज की, विरोध जताया, प्रदर्शन किया।

हिंदू मंदिरों को सरकारी ...

संबंध में हम एक देशव्यापी जन जागरण अभियान प्रारंभ करेंगे। इस अखिल भारतीय अभियान का शंखनाद आन्ध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में आयोजित *हैंदव शंखारावम* नामक लाखों लोगों के विशेष व विराट समागम में होगा। विहिप संगठन महामंत्री ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश की स्वाधीनता के उपरांत जिस हिन्दू-द्रोही काम पर विराम लग जाना चाहिए था, अर्थात मंदिरों को हिंदू समाज को सौंप देना चाहिए था, एक के बाद एक अनेक राज्य सरकारें संविधान के अनुच्छेद 12, 25 और 26 की अनदेखी करती रहीं। जब कोई मस्जिद या चर्च उनके नियंत्रण में नहीं तो भला हिंदुओं के साथ ही यह भेदभाव क्यों। अनेक उच्च न्यायालयों तथा सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट संकेतों के बावजूद सरकारें मंदिरों के प्रबंधन व सम्पत्तियों पर कब्जे जमा कर बैठी रहीं। उन्होंने आगे कहा कि मंदिरों के प्रबंधन और नियंत्रण का कार्य अब हिंदू समाज के निष्ठावान व दक्ष लोगों को सौंप देना चाहिए। इस बारे में हमने सर्वोच्च न्यायालय के वकीलों, उच्च न्यायालयों के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों, संतों तथा विहिप के कार्यकर्ताओं को मिलाकर एक चिंतन टोली बनाई है, जिसने मंदिरों के प्रबंधन व उससे जुड़े किसी भी प्रकार के विवादों के निस्तारण हेतु अध्ययन कर एक प्रारूप तैयार किया है। इसमें यह बात और सामने आई है कि जब सरकारें मंदिर समाज को लौटाएंगी तो स्वीकार कैसे करेंगे और किस प्रावधान के अंतर्गत करेंगे।

मुस्लिम देशों ने ही...

अब उन्होंने इन मुद्दों के समाधान के लिए कड़े कदम उठाए हैं। खासकर सऊदी अरब ने पाकिस्तान को भिखारियों की बढ़ती संख्या को लेकर चेतावनी दी थी। सऊदी अरब और यू.ए.ई. जैसे देशों में पाकिस्तानियों के लिए रोजगार के अच्छे अवसर थे, क्योंकि इन देशों में लाखों पाकिस्तानी काम करते हैं। लेकिन अब ये देशों की कंपनियां पाकिस्तान से आने वाले श्रमिकों के बारे में नकारात्मक रिपोर्ट देने लगी हैं। कई खाड़ी देशों की कंपनियों ने अपनी शिकायतों में कहा कि पाकिस्तान से भेजे गए लोग अक्सर नौकरी की आवश्यकताओं को पूरा करने में विफल रहते हैं। इस कारण इन देशों ने पाकिस्तान से किसी भी प्रकार के मजदूर या तकनीशियन को काम पर रखने से मना कर दिया है। इसके अलावा, पाकिस्तानी पासपोर्ट की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लगातार खराब छवि बनी हुई है। पाकिस्तान का पासपोर्ट दुनिया में सबसे खराब पासपोर्टों की सूची में लगातार तीसरे वर्ष चौथे स्थान पर बना हुआ है। इसका मतलब है कि पाकिस्तानियों के लिए अन्य देशों में यात्रा करना और वीजा प्राप्त करना और भी कठिन हो गया है। यह स्थिति पाकिस्तान के नागरिकों को खाड़ी देशों में वीजा मिलने के अवसरों को और भी घटा देती है। पाकिस्तानियों के लिए खाड़ी देशों में रोजगार के अवसर लंबे समय से उपलब्ध रहे हैं। लाखों पाकिस्तानी श्रमिक इन देशों में काम करने जाते हैं, विशेष रूप से निर्माण, तकनीकी और घरेलू श्रमिकों के रूप में। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में इन देशों में पाकिस्तानियों द्वारा की जाने वाली अवैध गतिविधियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है, जिसके कारण खाड़ी देशों की सरकारों ने वीजा नीति में बदलाव किए हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए, पाकिस्तान के श्रमिकों को अब विदेश यात्रा से पहले चरित्र प्रमाण पत्र (सी.सी.पी.) प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया है। यू.ए.ई. जैसे देशों में, यह कदम सुरक्षा और अवैध प्रवासियों की रोकथाम के लिए उठाया गया है। इस स्थिति पर पाकिस्तान सरकार का अब तक कोई ठोस बयान सामने नहीं आया है। हालांकि, यह स्पष्ट है कि खाड़ी देशों द्वारा पाकिस्तानियों पर लगाए गए वीजा प्रतिबंध ने पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय छवि को और नुकसान पहुंचाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान को अपने नागरिकों की विदेश यात्रा और उनके कार्य व्यवहार को लेकर एक गंभीर और प्रभावी नीति तैयार करने की आवश्यकता है। यदि पाकिस्तान ने समय रहते इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया, तो यह स्थिति और भी विकट हो सकती है।

बांग्लादेश के सचिवालय ...

कमाल ने संवाददाताओं को बताया कि कल (बुधवार) आधी रात के बाद इमारत में तीन स्थानों पर एक साथ आग लग गई। उन्होंने संकेत दिया कि आग संभवत: दुर्घटनावश नहीं लगी। अधिकारियों ने बताया कि आग के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे इमारत के अलावा अन्य मंत्रालयों को भी अपना सामान्य कामकाज रोकना पड़ा जबकि सुरक्षा एजेंसियों ने परिसर के अंदर प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया, जिससे कई कर्मचारी परिसर में प्रवेश नहीं कर पाए। उन्होंने बताया कि इमारत संख्या सात की छठी, सातवीं और आठवीं मंजिल पर स्थित अधिकांश कमरे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि स्थानीय प्रशासन, डाक एवं दूरसंचार मंत्रालयों के दस्तावेज और फर्नीचर जल गए। एक अधिकारी ने इमारत का दौरा करने के बाद बताया कि आग बुझाने के लिए इस्तेमाल किए गए पानी से कई दस्तावेजों को भी नुकसान पहुंचा। इमारत के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले कबूतर मरे हुए पाए गए और खिड़कियां टूटी हुई थीं। अंतरिम सरकार के सलाहकार आसिफ महमूद सजीब भुइयां ने कहा कि षड्यंत्रकारियों ने अपनी गतिविधियां बंद नहीं की हैं। उन्होंने कहा कि जिन दस्तावेजों को नुकसान पहुंचा है, उनमें अपदस्थ आवामी लीग शासन के दौरान हुए लाखों डॉलर के भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले कागजात और सबूत शामिल हैं। भुइयां ने कहा कि अगर कोई भी हमें (भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई में) विफल करने में संलिप्त पाया गया तो उसे (दंडात्मक कार्रवाई से) बचने का जरा सा भी मौका नहीं दिया जाएगा। इस बीच, अधिकारियों ने वरिष्ठ नौकरशाहों, अग्निशमन सेवा और पुलिस अधिकारियों वाली सात सदस्यीय समिति का गठन किया। अतिरिक्त सचिव (जिला और क्षेत्रीय प्रशासन) मोहम्मद खालिद रहीम की अध्यक्षता वाली समिति को सात कार्य दिवसों के भीतर अपनी रिपोर्ट दाखिल करने को कहा गया है।

विवाहित प्रेमी ने की युवती की हत्या

आरोपी ने चाकू मारकर की खुदकुशी की कोशिश, जीएमसीएच में इलाजरत

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के लास्ट गेट इलाके में एक युवती पर चाकू से हमला कर हत्या किये जाने का मामला सामने आया है। हालांकि, आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार को मिली जानकारी के अनुसार मौसमी गोगोई नामक एक युवती लास्ट गेट इलाके में रेपिडो के लिए रुकी हुई थी। इसी दौरान लास्ट गेट इलाके में स्वीट डिजायर कार पर आए एक युवक ने उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस की टीम पहुंचकर जांच-पड़ताल आरंभ किया। ज्ञात हो कि पान बाजार थाने में युवती द्वारा पूर्व में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। शुरू में यह माना जा रहा था कि प्राथमिकी दर्ज कराने की वजह से ही युवती पर हमला हुआ है। गंभीर रूप से घायल युवती को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए बताया कि गुवाहाटी में एक युवती पर हुए चाकू हमले की घटना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने हमलावर को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक आरोपी ने खुद को भी चाकू मारकर घायल कर लिया। आरोपी की पहचान भूपेन दास के रूप में की गई है। गंभीर रूप से घायल भूपेन को गुवाहाटी मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौसमी गोगोई टिंगखांग की रहने वाली है। मौसमी की पहले शादी हो चुकी थी। मौसमी के पति की कुछ साल पहले एक दुर्घटना में मौत हो गई थी। पति की मौत के बाद मौसमी अपने ससुर की प्रताड़ना के बाद घर लौट आई थी। उसके बाद युवती गुवाहाटी आ गई और एक एनजीओ में काम करने लगी। गुवाहाटी में भूपेन दास से उनका परिचय हुआ। उसके बाद दोनों के बीच रिश्ते बने। उल्लेखनीय है कि भूपेन दास की शादी हो चुकी है। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। भूपेन दास का परिवार गुवाहाटी के वशिष्ठ में रहता है। भूपेन पेशे से बस ड्राइवर हैं। लेकिन वह समय-समय पर कार किराए पर लेकर चलाता था। भूपेन ने बुधवार को भी क्रिस्मस के लिए कार किराए पर लिया था। ज्ञात हो कि मौसमी का भूपेन दास के साथ दो साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। लेकिन मौसमी को इस बात का अंदाजा नहीं था कि भूपेन शादीशुदा है। कुछ दिनों पहले मौसमी को पता चला कि भूपेन शादीशुदा है, और तब से मौसमी ने भूपेन से दूरी बनाए रखने की कोशिश की। लेकिन भूपेन को मौसमी की अनदेखी बर्दाश्त नहीं हुई। भूपेन अक्सर मौसमी के किराए के मकान के सामने आकर खड़े हो जाता था। उसने फोन पर खुद को खत्म करने की धमकी भी दी। इससे परेशान होकर मौसमी ने भूपेन दास के विरुद्ध पान बाजार पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई थी। लेकिन भूपेन दास थाने में पेश नहीं हुआ। दोनों बीते कल शाम 5 बजे से 8.30 बजे तक एक साथ थे। आज मौसमी के मामले में पूछताछ होना था। दोनों में बातचीत हुई। लेकिन उससे पहले ही भूपेन ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दे दिया। जीएमसीएच में इलाज करा रहे भूपेन के पर्स से मौसमी की करीब 20 तस्वीरें बरामद हुई हैं। भूपेन दास का घर नलबाड़ी के सरियाहतली में मालाक की बस्ती में है। वर्तमान में, भूपेन के गांव के घर में कोई नहीं है। मां तो है लेकिन घर पर कोई मौजूद नहीं है। भूपेन अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ गुवाहाटी में रहता है। भूपेन कई सालों से गुवाहाटी में गाड़ी चला रहा है।

दिहानाम संरक्षण मंच, असम के पहले वार्षिक स्थापना दिवस और अधिवेशन का दो दिवसीय आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। दिहानाम संरक्षण मंच, असम बहुत कम समय में असम की संस्कृति के ध्वजवाहक के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त करने में सक्षम रहा है। असम के लोकप्रिय भक्ति रसात्मक लोककला दिहानाम के सुव्यवस्थित नियमों को तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित *दिहानाम संरक्षण मंच, असम* के पहले वार्षिक स्थापना दिवस और पहले वार्षिक अधिवेशन की तैयारियां चल रही हैं। केंद्रीय कमेटी के महामंत्री राजेन बरुवा, कामरूप जिला समिति की अध्यक्ष लखेश्वरी काकती, सचिव स्वप्नाली गोगोई महंत ने बताया कि छह और सात जनवरी, 2025 को दो दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम कामरूप जिला समिति के आतिथ्य में श्रीमंत शंकरदेव संघ, रंगिया शाखा के नामघर के परिसर में यह आयोजन होगा। अधिवेशन की सफलता और सभी को बेहतर बनाने के लिए, रंगिया निर्वाचन क्षेत्र के विधायक भवेश कलिता को अध्यक्ष, हिरेन कुमार दास, कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में परेश दास की अध्यक्षता में एक मजबूत स्वागत समिति का गठन किया गया है। सत्र की कार्यसूची के अनुसार 6 जनवरी को सुबह 8 बजे पर्यावरण स्वच्छता, सुबह 9 बजे पौध रोपण, 10 बजे

नमाचार्य नंदेश्वर नाथ, दरंग नाम प्रसंग। दोपहर 3 बजे केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक, शाम 5 बजे दीप प्रज्ज्वलन, शाम 5-30 बजे प्रतिनिधि बैठक। विधायक भवेश कलिता स्वागत भाषण करेंगे। शाम 6 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम में बोरगीत, सत्रिया नृत्य, भोर ताल नृत्य, दिहानाम और लोक संस्कृति की प्रस्तुति होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 7 जनवरी को सुबह 7 बजे नाम प्रसंग, सुबह 9 बजे दिहानाम संरक्षण मंच, असम के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार खाउंड ध्वजारोहण करेंगे। सुबह 11 बजे खुली बैठक, दोपहर 12-30 बजे पत्रिका का अनावरण किया जाएगा।

एसटीएफ ने 34.40 ग्राम हेरोइन साथ एक को पकड़ा

गुवाहाटी (हिंस)। इंटेलिजेंस सूचना पर आधारित, एसटीएफ की टीम ने इंस्पेक्टर कपिल पाठक के नेतृत्व में बशिष्ठ पुलिस थाने के तहत जोराबाट के 8 माइल क्षेत्र में छापेमारी की। इस ऑपरेशन के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, उसके पास से 26 शीशियां हेरोइन की बरामद हुईं, जिनका वजन 34.40 ग्राम था। इसके अलावा, आरोपी से एक मोबाइल हैंडसेट और नगद राशि भी जब्त की गई। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पलटन बाजार से झटमार गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के पलटन बाजार पुलिस ने एक झटमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सुचना के आधार पर थाना क्षेत्र इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान एक झपटमार को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान रवि सरकार (24, तरुण नगर) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी के पास से पल्सर बाइक (एएस-01एफजे-3650) भी जब्त किया गया है।

मोरीगांव में दो अपराधियों को सजा

मोरिगांव (हिंस)। मोरीगांव पुलिस द्वारा मामले में की गई त्वरित कार्यवाही के कारण दो अपराधियों को न्यायालय द्वारा आज सजा सुनाई गई। मोरिगांव पुलिस ने एक्स पर जानकारी दी कि मोरीगांव पुलिस थाने के केस नंबर-227/16 में आरोपी संजय सतनामी और मंटू हीरा को अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, मोरीगांव द्वारा धारा 408/34 आईपीसी के तहत 2 साल की सजा और 10, 000 रुपये जुर्माने से दंडित किया गया है।

धेमाजी के जियाधल जंगल में लगी भीषण आग, 130 हेक्टेयर वन क्षेत्र जलकर खाक

धेमाजी (हिंस)। जिले के जियाधल वन क्षेत्र में भीषण आग लग गई है। आग में करीब 130 हेक्टेयर जमीन पर लगे पेड़ जलकर नष्ट हो गए। आग की लपटें 60 हेक्टेयर नए वृक्षारोपण क्षेत्र तक फैल चुकी हैं। वन विभाग की टीम और स्थानीय लोग आग पर काबू पाने के प्रयास में लगे हैं। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं, लेकिन तेज हवा और सूखा मौसम होने के कारण कठिनाई हो रही है। घटना से वन्य जीवन और पर्यावरण को भी नुकसान हुआ है।

विद्युतीकरण बुनियादी अवसंरचना के अनुरक्षण के लिए पूसीरे ने किया इरकॉन के साथ एमओयू

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय रेल में पहली बार पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) और पावर सप्लाई इंस्टॉलेशन (पीएसआई) सहित विद्युतीकरण बुनियादी अवसंरचना के अनुरक्षण के लिए एक नई शुरूआत की है। इसके लिए गुरुवार को पूसीरे ने इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस ज्ञापन पर 26 दिसंबर को पूसीरे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव और इरकॉन के मुख्य प्रबंध निदेशक एचएम गुप्ता ने हस्ताक्षर किए है। इस संबंध में पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया है कि इरकॉन एक प्रतिष्ठित संगठन है, जो 1976 से भारत और विदेशों में विशेष रूप से दुर्गम इलाकों में चुनौतीपूर्ण बुनियादी अवसंरचना परियोजनाओं के निष्पादन के लिए जाना जाता है। इस समझौता

के तहत लमडिंग और तिनसुकिया मंडलों में ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) और पावर सप्लाई इंस्टॉलेशन (पीएसआई) के अनुरक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता ज्ञापन पूसीरे के लिए जानकारियों के आदान-प्रदान और विद्युतीकरण के बुनियादी अवसंरचना के प्रबंधन में नवीनतम प्रौद्योगिकियों एवं विशेषज्ञता तक पहुंच के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा। उल्लेखनीय है कि लमडिंग और तिनसुकिया मंडल का विद्युतीकरण कार्य तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। अधिकांश सेक्शन पहले से ही विद्युतीकृत हैं और शेष 425 आरकेएम जून, 2025 तक चालू हो जाएंगे। सेक्शनों के तेजी से चालू होने के कारण, विद्युतीकरण कार्यों के अनुरक्षण में कई गुना बढ़ोतरी हुई है, जिसके लिए निर्दिष्ट अनुरक्षण और ब्रेकडाउन मामलों में प्रशिक्षित और अनुभवी रेल कर्मियों की आवश्यकता है क्योंकि इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन प्रत्यक्ष रूप से ट्रेन परिचालन से संबंधित है। पूसीरे में विद्युतीकरण का कार्य एक नए चरण में है और रेलवे प्राधिकारियों ने अनुबंध के रूप में 02 वर्ष की अवधि के लिए सेक्शनों के अनुरक्षण और ब्रेकडाउन की देखभाल के लिए इरकॉन को शामिल करने का निर्णय लिया है, जो व्यवस्थित अनुरक्षण की दिशा में एक अनुकरणीय कदम है।

वीर बाल दिवस पर मुख्यमंत्री ने दी गुरु गोबिंद सिंह के बच्चों को श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। वीर बाल दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरु गोबिंद सिंह के वीर बच्चों और उनकी माता को श्रद्धांजलि दी। सोशल मीडिया के जरिए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज वह गुरु गोबिंद सिंह जी, उनके छोटे साहिबजादों व माता गुजरी जी के बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके अदम्य साहस और बलिदान ने धर्म और मातृभूमि की रक्षा का अमर उदाहरण प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस दिन को *वीर बाल दिवस* के रूप में मनाने का निर्णय साहिबजादों के बलिदान को चिरस्मरणीय बनाता है।

विश्वनाथ में भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम का 73वां वार्षिक प्रतिष्ठा दिवस आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। कल्याण आश्रम असम, विश्वनाथ जिला के तत्वाधान में अखिल भारतीय वनवासी कल्याणआश्रम का 73वां वार्षिक प्रतिष्ठा दिवस समारोह संध्या 4 बजे विश्वनाथ जिले के बाघमारी चाय बागान के विष्णु मंदिर के प्रांगण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम कल्याण आश्रम, विश्वनाथ के विस्तारक सुरेश तांती के संचालन में आयोजित प्रतिष्ठा दिवस समारोह के सभा का अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक किसान डूंगरी ने किया। सभाध्यक्ष किसान डूंगरी, बौद्धिक के रूप में विश्वनाथ जिला के सांगठनिक मंत्री सोमराम भगत और अतिथि के रूप में कल्याण आश्रम असम के विश्वनाथ जिला विस्तारक व अंशकालिक कार्यकर्ता संतोष कुमार महतो ने भारत माता वनवासी राम और बालि साहेब देशपांडे के फोटो के समीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ

किया। बाघमारा प्रखंड के विस्तारक अनिकेत दीप ने सभा के उद्देश्य व्याख्या की। इसके बाद परिचय पर्व में उपस्थित अतिथियों तथा नागरिकों ने बारी-बारी से अपना परिचय पर दिया। तत्पश्चात बौद्धिक के रूप में उपस्थित विश्वनाथ जिला के संगठन मंत्री सोमराम भगत ने सर्वप्रथम अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के 73वां प्रतिष्ठा दिवस की शुभकामनाएं ज्ञापन की। उन्होंने अपने वक्तव्य में कल्याण आश्रम के बारे में विस्तार से परिचय देते हुए कल्याण आश्रम द्वारा वनवासी के लिए योगदानों की ऊपर सारगर्भित व्याख्यान दिया। अतिथि के रूप में उपस्थित जिला विस्तार संतोष कुमार महतो ने कल्याण आश्रम के विभिन्न आयामों पर चर्चा करते हुए इसके भविष्यकारी उद्देश्य पर अपना वक्तव्य रखा। सभा अध्यक्ष किसान डूंगरी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जानकारी देते हुए कल्याण आश्रम के विभिन्न योजना को लाभ उठाने के लिए जनता से आह्वान की और कल्याण आश्रम की कार्यों की सराहना की। प्रतिष्ठा दिवस समारोह के संयोजक तथा बाघमारा प्रखंड विस्तारक अनिकेत दीप ने सभाध्यक्ष, उपस्थित अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कल्याण मंत्र के साथ सभा भंग घोषणा की। इस मौके कल्याण आश्रम के विस्तारक अमन तांती, कार्यकर्ता जया बाघ, जानकी बाघ, प्रीति हुरा और समाज के गण मान्य व्यक्ति मौजूद थे।

महाशिवरात्रि के स्वर्ण जयंती को लेकर नई समिति का गठन

रंगिया (विभास)। रंगिया के पूव सितारा स्थित श्री श्री जगन्नाथ व बूढ़ागोसाई थान में प्रांगण में प्रति वर्ष आयोजित महाशिवरात्रि उत्सव का इसबार पचासवां आयोजन है। आगामी 25, 26 और 27 फरवरी को तीन दिवसीय कार्यक्रमों के साथ आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए अध्यक्ष रिखब चंद्र कलिता की अध्यक्षता और मुख्य सचिव महेंद्र कलिता की उपस्थिति में पिछले दिनों मंदिर प्रांगण में एक बैठक का आयोजन कर एक समिति का गठन किया गया। जिसमें कार्यवाही अध्यक्ष के रूप में अनुपमा देवी, जोगेश शर्मा, परेश कलिता, प्रताप कलिता, नृपेंद्र कुमार दास, उपाध्यक्ष के रूप में नवीन चंद्र तालुकदार, बसंत तालुकदार, दिनेश कलिता, अन्टू डेका, मुख्य सचिव के रूप में मनीराम कलिता, भवेश कलिता, अंजन भुइयां और सह मुख्य सचिव के रूप में दिनेश लहकर, बिपुल कलिता, अनंत भुइयां और

मुकुल वैश्य को कार्यभार सौंपा गया है। आयोजक समिति द्वारा सभी समाज के लोगों को सहायता, सहयोगिता और मार्गदर्शन की कामना की गई है। साथ ही महोत्सव के सभी तीन दिवसीय कार्यक्रमों में सपरिवार शामिल होने का निवेदन किया गया है।

खाद्य वस्तुओं की तिथि समाप्त होने के बाद भी आंगनबाड़ी केंद्र में वितरित

रंगिया (निसं)। रंगिया में सरकारी महकमे की घोर लापरवाही सामने आई है। समाज कल्याण विभाग की ओर से वितरित खाद्य वस्तुओं को तिथि समाप्त होने के बाद भी आंगनबाड़ी केंद्र में वितरित किया जाता है। कई बच्चे अब उन उत्पादों को खाने से बीमार हो गए हैं। घटना की प्राप्त जानकारी के अनुसार चिराकुंडी काहिबारा आंगनबाड़ी केंद्र मे उक्त घटना हुई है। यह रंगिया समजिला के कमलपुर एकीकृत बाल विकास परियोजना के तहत एक आंगनबाड़ी केंद्र है। जहां बच्चों, गर्भवती महिलाओं आदि के लिए खाद्य पदार्थों को समय समाप्त होने के बाद भी वितरित किया गया है। नतीजतन, उन खाद्य पदार्थों को खाने के बाद रंगिया में बच्चों और बुजुर्गों को विभिन्न बीमारियों के कारण अस्पताल ले जाना पड़ रहा है। इसी का नतीजा है कि आज इस आंगनबाड़ी केंद्र में अप्रिय स्थिति बन गई। आंगनबाड़ी केंद्र के परिसर में अभिभावकों का एक वर्ग हंगामा मचा रहा था। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने ऊपर से जो दिया था वह बांट दिया, उन लोगों ने तारीख नहीं देखी। वही घटनास्थल पर पहुंचे बीटीआर के ईएम पवित्र बोड़ो ने संभागीय अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेने का आग्रह किया है।

कचुवा में हुई सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

मोरीगांव (हिंस)। जिले के कचुवा के दा पारा बेलतला दलंग इलाके में एक भयंकर सड़क दुर्घटना हुई। बाइक (एएस-02एपी 9582) द्वारा सड़क किनारे लगे माइल पोस्ट से टकराकर एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। सुबह स्थानीय लोगों ने मृतक के शव को देखा। मृतक की पहचान शेख फारिद (40) के रूप में हुई है। मृतक कचुवा के चांखोला का निवासी बताया जा रहा है। बाइक टकराने का सही कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है, हालांकि कुछ स्थानीय लोग इस बात का संदेह व्यक्त कर रहे हैं कि किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मारी और घटना स्थल पर छोड़ दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

टीपीएफ गुवाहाटी का मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ), गुवाहाटी केतत्वावधान में गत 25 दिसंबर को स्थानीय राजमहल होटल में मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टीपीएफ केईस्ट जोन-1 केअध्यक्ष प्रवीण सिरोहिया थे, जो कोलकाता से पधारे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र से किया गया। टीपीएफ गुवाहाटी के अध्यक्ष पंकज भूरा ने कार्यक्रम में पधारे हुए सभी सदस्यों एवं गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में टीपीएफ गुवाहाटी द्वारा की गई गतिविधियों के बारे में सभी को जानकारी दी तथा आज केइस मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम के उद्देश्यों से सबको अवगत कराया। तत्पश्चात टीपीएफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोज नाहटा ने टीपीएफ द्वारा होने वाली विभिन्न प्रकार की गतिविधियों जैसे शिक्षा सहयोग, स्वास्थ्य सेवा, आध्यात्मिकता, नेटवर्किंग आदि के बारे में जानकारी दी। टीपीएफ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मल कोटेचा ने सबको बताया कि हमें टीपीएफ से क्यों जुड़ना चाहिए। उन्होंने बताया की टीपीएफ से जुड़के हम संघ के प्रति अपने दायित्व का निर्वाह कर सकते हैं। साथ ही साथ अपना आध्यात्मिक एवं भौतिक विकास भी कर सकते हैं। तत्पश्चात फोरम के राष्ट्रीय ट्रस्टी तारकेश्वर संचेती ने टीपीएफ से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि टीपीएफ से जुड़ने के पहले और उसके बाद उन्होंने क्या-क्या बदलाव महसूस किया तथा सभी से इस फोरम से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कोलकाता से पधारे प्रवीण सिरोहिया ने टीपीएफ को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए सब के सहयोग एवं सहभागिता की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि सब के साथ से ही सबका विकास संभव है, इसीलिए इस बार टीपीएफ का

टैगलाइन है इंवॉल्व यू मैटर अर्थात टीपीए केविकास केलिए हर व्यक्ति विशेष का सहयोग महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में सम्मान सत्र के दौरान गुवाहाटी केसभी पेट्रोन मेंबर्स एवं फेलो मेंबर्स का फुलाम गामोछा से स्वागत किया गया। टीएफ गुवाहाटी के अंकेक्षक रवि अजीतसरिया एवं राजन गुप्ता का भी फुलाम गामोछा और मोमेंटो से स्वागत किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम में पधारे सभी सदस्यों ने अपना संक्षिप्त परिचय दिया। टीपीएफ सदस्य अंकिता लोढा ने अपने रोचक खेल से कार्यक्रम में पधारे सभी सदस्यों का मनोरंजन किया। इस कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि कार्यक्रम में सात सदस्यों ने फेलो मेंबरशिप के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान की। सदस्यों के नाम निर्मल सामसुखा, कमल चोपड़ा, पवन लोढा, सुमित चोरड़िया, विकास महनोत, विकास सुराणा एवं प्रदीप नाहटा हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कमल कोठारी, राजेश बोथरा, पुखराज सेठिया, मुकेश पिंचा, पवन लोढ़ा, अरिहंत गुलगुलिया आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन संतोष पुगलिया ने किया। टीपीएफ के सचिव रजत दुधोड़िया ने इस कार्यक्रम की जानकारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

संपादकीय

बजट-पूर्व विमर्श

प्रधानमंत्री मोदी ने बजट-पूर्व का विमर्श शुरू कर दिया है, तो उनका फोकस 7-8 फीसदी की आर्थिक विकास दर पर है। वैश्विक चुनौतियों, अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद अर्थव्यवस्था की गति और बढ़ोतरी ऐसी रहनी चाहिए, जिससे 2047 में 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल किया जा सके। फिलहाल विकास दर कुछ पिछड़ी हुई है, लेकिन भारत इस संदर्भ में, विश्व में, प्रथम स्थान पर है। बहुत जल्द भारत की अर्थव्यवस्था, जापान को पछाड़ कर, चौथे स्थान पर आ सकती है। प्रधानमंत्री का मानना है कि 2047 का लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकता है, जब अर्थव्यवस्था संबंधी मानसिकताएं बदलेंगी। प्रधानमंत्री के इस विमर्श में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और नीति आयोग के नेतृत्व के साथ-साथ कई अर्थशास्त्री भी शामिल थे। विकास-दर के अलावा विमर्श का फोकस यह रहा कि यदि अमरीका और चीन के बीच 'टैरिफ वार' छिडने की नौबत आती है, तो भारत की रणनीति क्या होनी चाहिए? भारत को ऐसी योजनाएं तैयार करनी चाहिए, जिनसे हम उन स्थितियों का लाभ उठाते हुए अवसरों को बटोर सकें। फिलहाल आर्थिक विशेषज्ञों ने सुझाव दिए हैं कि हमें देश में रोजगार-सृजन, कौशल-विकास, कृषि उत्पादकता को बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने और निर्यात बढ़ाने सरीखे मुद्दों पर विशेष फोकस रखना होगा। बेरोजगारी भारत की प्रमुख समस्या है, जिससे अलग-अलग तनाव पैदा होते हैं। किसान भी आंदोलित है, क्योंकि आज भी वह आर्थिक तौर पर विपन्न है और फसलों के व्यापार के संकट भी उसके सामने हैं। देश के जीडीपी में कृषि का योगदान 17 फीसदी से ज्यादा है। आर्थिक विकास-दर की एक चिंता सामने आई कि जुलाई-सितंबर की तिमाही में बढ़ोतरी 5.4 फीसदी हुई, जो सात तिमाहियों में कम है। जाहिर है कि नीति-निर्माताओं में 'खतरे की घंटी' बज गई होगी! विशेषज्ञों ने आर्थिक विकास-दर और कुछ सुधारों की व्यापकता पर भी विमर्श किया। जो आर्थिक पतन सामने आया है, उससे भारतीय रिजर्व बैंक समेत कई एजेंसियां सचेत हुई हैं। हालांकि आरबीआई की हालिया रपट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष की छमाही के बाद निजी खपत और ग्रामीण मांग में बढ़ोतरी होगी। त्योहारी मौसम की अर्थव्यवस्था के आंकड़े भी स्पष्ट होंगे, नतीजतन विकास-दर में सुधार दिखाई देगा। बहरहाल विशेषज्ञों के सुझाव हैं कि कृषि क्षेत्र और कराधान क्षेत्र में सुधार जरूरी हैं। टमाटर, प्याज, आलू के क्षेत्रों में कीमतें स्थिर होनी चाहिए। इन फसलों का फायदा किसान को भी मिलना चाहिए। जलवायु-परिवर्तन और ऊर्जा संक्रमण संबंधी रणनीतियां बनाने के सुझाव भी दिए गए। व्यापार और निर्यात से जुड़े मुद्दों पर भी विमर्श किया गया। मुक्त व्यापार समझौतों, टैरिफ रणनीति, रुपए के अंतरराष्ट्रीयकरण आदि पर विशेषज्ञों ने सुझाव दिए। खासकर रोजगार के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण गहरा किया जाए और श्रम की गरिमा पैदा की जाए, ऐसे सुझाव भी दिए गए। यह चिंतित पहलू भी सामने आया कि जीडीपी में बीमा क्षेत्र की हिस्सेदारी सिकुड़ कर 3.7 फीसदी ही रह गई है। यह बीते दो सालों से लगातार घट रही है। विमर्श के बाद मीडिया को जो खुलासा किया गया, उसमें रोजगार के अवसर और अधिक से अधिक नौकरियां पैदा करने की बात प्रमुख थी। उसी से निजी समृद्धि, निजी मांग और खपत तथा अंततः बाजार जुड़े हैं। वे ही किसी अर्थव्यवस्था की विकास-दर को बढ़ा सकते हैं। बहरहाल तमाम गतिविधियों के बावजूद भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था से फिलहाल कुछ दूर रहेगा। यदि 4.5 ट्रिलियन डॉलर तक भी भारत पहुंचता है, तो वह दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

वैश्विक चुनौतियों, अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद अर्थव्यवस्था की गति और बढ़ोतरी ऐसी रहनी चाहिए, जिससे 2047 में 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल किया जा सके। फिलहाल विकास दर कुछ पिछड़ी हुई है, लेकिन भारत इस संदर्भ में, विश्व में, प्रथम स्थान पर है। बहुत जल्द भारत की अर्थव्यवस्था, जापान को पछाड़ कर, चौथे स्थान पर आ सकती है। प्रधानमंत्री का मानना है कि 2047 का लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकता है, जब अर्थव्यवस्था संबंधी मानसिकताएं बदलेंगी। प्रधानमंत्री के इस विमर्श में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और नीति आयोग के नेतृत्व के साथ-साथ कई अर्थशास्त्री भी शामिल थे। विकास-दर के अलावा विमर्श का फोकस यह रहा कि यदि अमरीका और चीन के बीच 'टैरिफ वार' छिडने की नौबत आती है, तो भारत की रणनीति क्या होनी चाहिए? भारत को ऐसी योजनाएं तैयार करनी चाहिए, जिनसे हम उन स्थितियों का लाभ उठाते हुए अवसरों को बटोर सकें। फिलहाल आर्थिक विशेषज्ञों ने सुझाव दिए हैं कि हमें देश में रोजगार-सृजन, कौशल-विकास, कृषि उत्पादकता को बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने और निर्यात बढ़ाने सरीखे मुद्दों पर विशेष फोकस रखना होगा।

भारतीय राज्य में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और पुलिसिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में कुशल पेशेवरों की कमी है

कर्मचारियों की कमी से जूझती शासन व्यवस्था

प्रियंका सौरभ

भारतीय राज्य में प्रति व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों की संख्या कम है, जिसके परिणामस्वरूप जटिल शासन चुनौतियों का समाधान करने के लिए कर्मियों की कम उपस्थिति है। भारत में प्रति मिलियन केवल 1,600 केंद्रीय सरकारी कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिका में प्रति मिलियन 7,500 हैं, जिससे राज्य की दक्षता प्रभावित होती है। कम सिविल सेवकों के बावजूद, नौकरशाही लाइसेंसिंग, परमिट और मंजूरी जैसी जटिल प्रक्रियाओं में फंसी हुई है। व्यवसाय शुरू करने के लिए मंजूरी, परमिट और अनुमोदन की भूलभुलैया से गुजरना पड़ता है जो प्रगति में बाधा डालते हैं और परिणामों में देरी करते हैं।

भारतीय शासन व्यवस्था को अक्सर 'लोगों की कमी' लेकिन 'प्रक्रियाओं की कमी' के रूप में वर्णित किया जाता है, जो कि प्रभावी शासन के लिए उपलब्ध बड़ी प्रशासनिक मशीनरी और सीमित मानव संसाधनों के बीच असंतुलन को दर्शाता है। जबकि नौकरशाही प्रक्रियाएँ अच्छी तरह से स्थापित हैं, कर्मियों की कमी कुशल कार्यान्वयन में बाधा डालती है। यह विरोधाभास देरी, अक्षमताओं और अपर्याप्त सार्वजनिक सेवा वितरण का कारण बनकर शासन को प्रभावित करता है, जिससे नागरिकों की जरूरतों के प्रति राज्य की जवाबदेही कम होती है। शासन व्यवस्था को 'लोगों की कमी' लेकिन 'प्रक्रियाओं की कमी' के रूप में वर्णित किया जाता है। भारतीय राज्य में प्रति व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों की संख्या कम है, जिसके परिणामस्वरूप जटिल शासन चुनौतियों का समाधान करने के लिए कर्मियों की कम उपस्थिति है। भारत में प्रति मिलियन केवल 1,600 केंद्रीय सरकारी कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिका में प्रति मिलियन 7,500 हैं, जिससे राज्य की दक्षता प्रभावित होती है। कम सिविल सेवकों के बावजूद, नौकरशाही लाइसेंसिंग, परमिट और मंजूरी जैसी जटिल प्रक्रियाओं में फंसी हुई है। व्यवसाय शुरू करने के लिए मंजूरी, परमिट और अनुमोदन की भूलभुलैया से गुजरना पड़ता है जो प्रगति में बाधा डालते हैं और परिणामों में देरी करते हैं। भारतीय राज्य में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और पुलिसिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में कुशल पेशेवरों की कमी है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास केवल 7,000 कर्मचारी हैं, जबकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व में 22,000 कर्मचारी हैं, जो राष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता के प्रबंधन में प्रभावशीलता को सीमित करता है। नीति-निर्माण अत्यधिक केंद्रीकृत है, लेकिन कार्यान्वयन सीमित फ्रंटलाइन कर्मियों द्वारा की जाने वाली एक बोझिल प्रक्रिया बनी हुई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजनाओं को क्रियान्वित करता है, जबकि नीति निर्माण मंत्रालय स्तर पर रहता है, जिससे देरी और लागत में कमी आती है। सरकारी कर्मचारियों का छोटा आकार अधिकारियों पर अत्यधिक बोझ डालता है, जिससे प्रभावी

नीति निष्पादन मुश्किल हो जाता है। अपर्याप्त जनशक्ति और अत्यधिक प्रक्रियाओं के कारण सेवाओं में देरी होती है, क्योंकि अधिकारी काम की मात्रा को संभालने के लिए संघर्ष करते हैं। बोझिल विनियामक मंजूरी और अग्रिम पंक्ति के निर्णय लेने वाले प्राधिकरण की कमी के कारण बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को लागत में वृद्धि और देरी का सामना करना पड़ता है। नीति निर्माण और निष्पादन का विभाजन निर्णय लेने वालों और सेवा कार्यान्वयनकर्ताओं के बीच एक वियोग पैदा करता है, जिससे खराब प्रदर्शन के लिए जवाबदेही कम हो जाती है। जब सड़क निर्माण परियोजनाओं में समस्याएँ आती हैं, तो मंत्रालयों और कार्यान्वयनकर्ताओं के बीच निगरानी के लिए स्पष्ट ज़िम्मेदारी की अनुपस्थिति के कारण दोषारोपण और अक्षमताएँ होती हैं। सरकार के भीतर कौशल की कमी के कारण महत्वपूर्ण कार्यों के लिए निजी परामर्श फर्मों पर निर्भरता बढ़ जाती है, जिससे सार्वजनिक व्यय बढ़ जाता है। भारत सरकार ने उन कार्यों के लिए परामर्श शुल्क पर 500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए, जिन्हें बेहतर प्रशिक्षित अधिकारियों के साथ घर में ही प्रबंधित किया जा सकता था। नौकरशाही की जटिल प्रक्रियाएँ जोखिम लेने और विवेकाधीन निर्णय लेने से परहेज़ पैदा करती हैं, जिससे नवाचार बाधित होता है और अनुकूलन धीमा होता है। उच्च सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन और नौकरी की सुरक्षा के साथ प्रोत्साहनों का गलत संरेखण ऐसे लोगों को आकर्षित करता है जो सामाजिक सेवा के बजाय वित्तीय लाभ से प्रेरित होते हैं। लोगों की कमी को दूर करने के लिए विभिन्न स्तरों पर योग्य पेशेवरों की भर्ती बढ़ाएँ, जिससे कुशल कार्यबल सुनिश्चित हो। मिशन कर्मयोगी जैसे पार्श्व प्रवेश कार्यक्रम और विशेष प्रशिक्षण पहल सिविल सेवकों के कौशल और दक्षता में सुधार कर सकते हैं। कार्यान्वयन से संबंधित निर्णय लेने, जवाबदेही में सुधार और प्रक्रियाओं को गति देने के लिए प्रत्यायोजित अधिकार के साथ फ्रंटलाइन कर्मियों को सशक्त बनाएँ। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के समान नीतियों को क्रियान्वित करने में फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं को अधिक नियंत्रण देने से देरी कम होती है और दक्षता में सुधार होता है। लाइसेंस और मंजूरी के बोझ को कम करने के लिए नौकरशाही प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करें, जिससे नागरिकों और व्यवसायों के लिए सार्वजनिक सेवाओं तक पहुँच आसान हो। परमिट और अनुमोदन के लिए वन-स्टॉप समाधान प्रदान करने वाले ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म जटिलता को कम कर सकते हैं और प्रक्रियाओं को गति दे सकते हैं। मध्यम वेतन सुधार लागू करें जो सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन को निजी क्षेत्र के मुआवजे के साथ संरेखित करते हैं, भ्रष्टाचार को हतोत्साहित करते हैं और सामाजिक सेवा से प्रेरित व्यक्तियों को आकर्षित करते हैं। प्रदर्शन से जुड़े प्रोत्साहनों को लागू करना और प्रतिस्पर्धी, लेकिन उचित वेतन सुनिश्चित करना सामाजिक सोच वाले पेशेवरों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के आकर्षण को बढ़ा सकता है। निरीक्षण और जवाबदेही तंत्र को मजबूत करें: नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और केंद्रीय सतर्कता आयोग जैसी एजेंसियों में सुधार करें ताकि ऑडिट और जांच को अधिक प्रासंगिक बनाया जा सके और केवल अनुपालन के बजाय नीति उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। निरीक्षण एजेंसियों को नीतिगत निर्णयों की जटिलताओं के प्रति संवेदनशील बनाने से यह सुनिश्चित होगा कि वे संदर्भ को समझें, जिससे मुकदमेबाजी और परियोजना निष्पादन में देरी कम होगी।. भारत के 'लोगों की संख्या कम' लेकिन 'प्रक्रियाओं की संख्या अधिक' होने के कारण शासन में अधिक जवाबदेही और दक्षता की आवश्यकता है।

दृष्टि कोण

औपनिवेशिक विरासत को त्यागे भारतीय सेना

यदि यह पूछा जाए कि क्या भारतीय सेना में अभी भी अंग्रेजों द्वारा स्थापित परंपराएं जारी हैं जो हमें विरासत में मिली हैं तो जवाब हां में ही होगा। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारतीय सेना को ब्रिटिशकालीन नीतियों एवं परंपराओं की तर्ज पर ही संगठित किया गया था और वे तौर तरीके अभी भी प्रचलन में हैं। यह सच है कि भारतीय सेना का आधुनिकीकरण तो हुआ है, लेकिन रेजिमेंटों के तौर तरीके, नियम कायदे अभी भी अंग्रेजों द्वारा स्थापित परंपराओं के हिसाब से चल रहे हैं। जो थोड़े बहुत बदलाव हुए भी हैं तो उनमें सितंबर 2022 में भारतीय नौसेना ने ब्रिटिश-प्रेरित जॉर्ज क्रॉस को हटाकर एक नया ध्वज अपनाया गया है। यह ध्वज शिवाजी महाराज की मुहर से प्रेरित है, शेष कुछ खास बदलाव नहीं दिखता है। हालांकि औपनिवेशिक प्रथाओं को खत्म करने के लिए, स्वदेशी रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की जा रही है। इसमें प्राचीन भारतीय रणनीतिकारों के कार्यों को सैन्य नेतृत्व द्वारा पाठ्यक्रमों में शामिल करना शामिल है। जिन क्षेत्रों में आज भी भारतीय सेना में बदलावों की जरूरत है, उनमें निचले दर्जे के जेसीओज और अन्य रैंक के नामकरण में बदलाव होना चाहिए। अंग्रेजों के समय वाले सैन्य कानूनों में आधुनिक समय की जरूरतों के अनुरूप बदलाव आवश्यक है। अंग्रेजों ने क्षेत्रवार, धर्म एवं समुदायों पर आधारित रेजिमेंटों की स्थापना की थी जो अभी भी जस की तस हैं। हां! अधिकारी जरूर मिलेजुले वर्गों के हैं। बड्डी अथवा बैटमैन यानी सहायक प्रथा अभी भी प्रचलन में है जिसकी प्रायः आलोचना सुनने को मिलती रहती है, क्योंकि एक ट्रेंड सोल्जर से जूते पॉलिश करवाना या अन्य घरेलु काम करवाना कतई जायज नहीं ठहराया जा सकता है। अभी भी अधिकारियों और जवानों की सहूलियतों, वेतन-भत्तों एवं ड्यूटी में भारी अंतर है। संसद में इस बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में रक्षा राज्य मंत्री सुभाष भामरे ने बताया था कि सशस्त्र बलों में कामकाज के माहौल को स्वस्थ बनाने के लिए सरकार द्वारा कई तरह के कदम उठाए जा रहे हैं, जिसके अंतर्गत जवानों के कपड़ों, खाने-पीने, परिवार के साथ रहने, यात्रा सुविधा, स्कूल, मनोरंजन, योग, मेडिटेशन, स्ट्रेस मैनेजमेंट आदि के मामले में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यही नहीं, सेना के उत्तरी और पूर्वी कमांड में जवानों के तनाव को कम करने के लिए 'मिलाप' और 'सहयोग' जैसे प्रोजेक्ट चलाए जा रहे हैं। कुछ ऐसे ही कार्यक्रम एवं उपाय केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के कार्मिकों के लिए भी प्राथमिकता के आधार पर शुरू किए जाने की जरूरत है। यह देखते हुए कि आने वाले समय में लड़ी जाने वाली लड़ाईयां परमाणुयुक्त, एनबीसी वारफेयर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोनॉमस सिस्टम, हाइपरसोनिक हथियार, डायरेक्टेड एनर्जी वेपन्स, बायोटेक्नोलॉजी, क्वॉन्टम टेक्नोलॉजी वाली, अत्याधुनिक मिसाईल और ड्रोन तकनीक पर आधारित होंगी। लिहाजा हमारे सैनिकों को व्यवहारकुशल एवं बौद्धिक रूप से सक्षम बनाने, कम्प्यूटर प्रशिक्षण, कम्युनिकेशन स्किल, साइबर लर्निंग, इलेक्ट्रॉनिक्स वारफेयर, प्रोपेगेंडा, मनोवैज्ञानिक तौर तरीके, मीडिया तथा सोशल मीडिया के इस्तेमाल में सतर्कता बरतने, हनिट्रेप आदि पर आधारित नई लड़ाइयों से निपटने की सिखलाई देने की आवश्यकता है। सख्त शारीरिक प्रशिक्षण के अतिरिक्त विशेषज्ञों और मोटिवेटरों द्वारा सैनिकों के मोटिवेशन लेवल को बढ़ाने की भी जरूरत है। अधिकारियों एवं जवानों के बीच बढ़ती दूरियों, गाली गलौच और अनुशासन के नाम पर सैनिकों के उत्पीडन की वजह से उनमें बढ़ते असंतोष के दृष्टिगत पुरानी पारम्परिक कार्यप्रणालियों, नियमों, रहन-सहन एवं खानपान संबंधी व्यवस्थाओं में बदलाव की जरूरत है। भर्ती संबंधी नियमों में बदलाव लाकर निचले स्तर पर सीधे जेसीओज एवं हवलदार पदों पर उच्च शिक्षित युवाओं को भर्ती करने तथा पुराने रेंक्स का नाम बदलकर वायुसेना की तर्ज पर नए पद नाम दिए जाने चाहिए। इसके अलावा मार्डन सोल्जर्स की वेशभूषा में हमारे सैनिकों को सुसज्जित करने की भी जरूरत है ताकि इनका मनोबल बढ़े। औपनिवेशिक काल में भारतीय सेना ब्रिटिश साम्राज्य के हितों की पूर्ति के लिए बनाई गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य ब्रिटिश शासन को बनाए रखना था। आज जब हम एक स्वतंत्र राष्ट्र हैं, तो ऐसी प्रथाओं और प्रतीकों को बनाए रखना राष्ट्रीय गर्व के लिए उचित नहीं है। इसलिए यह अनिवार्य हो जाता है कि सशस्त्र सेनाओं के आला अधिकारी ब्रिटिशकालीन प्रथाओं का पुनर्मूल्यांकन करें और ब्रिटिश समय के रैंक और पदनामों को बदलें, वहीं सलामी देने की परंपराएं औपनिवेशिक प्रणाली का हिस्सा हैं, इन्हें बदलकर भारतीय संदर्भ में अनुकूलित किया जाना चाहिए। भारतीय सशस्त्र सेनाओं को भारतीय संस्कृति और परंपराओं को प्रतिबिंबित करने वाले प्रतीकों को अपनाना चाहिए। उदाहरण के तौर पर, नौसेना ने छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरित ध्वज अपनाया। इसी प्रकार, सेना और वायुसेना को भी भारतीय परंपराओं से प्रेरणा लेकर बदलाव करना चाहिए। इन बदलावों के सामरिक लाभ भी होंगे और औपनिवेशिक प्रतीकों को हटाने से सेना के जवानों में मानसिक गुलामी की भावना समाप्त होगी। इसके अलावा, हमारे रक्षा बलों के आधुनिकीकरण को तेजी से बढ़ावा दिए जाने की जरूरत है। दुनिया के कई देशों ने औपनिवेशिक विरासत को त्यागकर अपनी राष्ट्रीय पहचान को बढ़ावा दिया है। उदाहरण के लिए, इजराइल, चीन और जापान ने अपनी सैन्य संरचना में स्वदेशी परंपराओं को प्राथमिकता दी है।

कुछ अलग

फिसलती सड़क पर दावे

जी हुजूर, हमें स्वीकार है कि यह मुहावरा पुराना है। इसे आप बाबा आदम के जमाने का भी कह सकते हैं। इक्कीसवीं सदी के पहले बीस साल गुजरने को आए, पर्यटक धरती के रमणीक स्थलों से उठ कर व्योम में सैर के लिए व्याकुल हो उठे हैं। इनके अग्रदूत के रूप में एक हंसता-बोलता नारी रूप रोबोट भी व्योम में जाने की तैयारी में है। अंतरिक्ष ही नहीं, धरती से परे दूसरे ग्रहों में भी सामथ्र्यवान अपनी बस्तियां बसाने की तैयारी में हैं, इसके लिए आरक्षण करवाए जा रहे हैं। अग्रिम भुगतान की तैयारी हो रही है। लेकिन किसी पिछलग्गू की तरह हम अभी भी किसी नए फैशनेबल, परंतु व्याकरण और अर्थ की दृष्टि से गलत भाषा का सृजन करने के स्थान पर अपनी अभिव्यक्ति में प्राचीन कर्मी भाषा के तकिये ढूंढ रहे हैं? जाहिर तौर पर आपको यह हमारी लेखन क्षमता का अभाव या नए सच को स्वीकार न कर पाने की असमर्थता कह सकते हैं। लेकिन जब युग के बाद युग बदलते जाएं और देश प्रगति और विकास के बड़े-बड़े दावे करने के बावजूद अपने आप को पीछे की ओर फिसलता पाए, सपने आकाश में उडने के हों और पांव पाताल की ओर रपटते नजर आएं, तो इसे अपने भाषणों और दावों में एक तरक्कीपसंद स्वप्न संसार रचने वाले लोगों को आप क्या उपालम्भ देंगे, 'नाम बड़े और दर्शन छोटे।' जी नहीं, इस देश की तरक्की की चाल के बारे में एक और बात भी कही गई है, 'दो कदम आगे और दो कदम पीछे।' महानुभाव, नतीजा देश की आम जनता के लिए क्या निकला कि महापुरुषों ने अपनी बस्तियां ग्रहों में बसाने की सोच ली और हमारा बसेरा पहले भी फुटपाथ था, आज भी फुटपाथ है। हां, इस बीच ये कुछ और टूट-फूट गए, तो इसे आने वाले इस युग की तैयारी कह लीजिए कि जिसमें फुटपाथ इतने बड़े बन जाएंगे कि जिस पर सीधे हैलीकाप्टर उतर जाएं। ये फुटपाथ तो नए बन जाएंगे, लेकिन फटेहाल आदमी अपना गूदड़ उठा कर सोचता है, अब इन फुटपाथों पर हैलीकाप्टर उतरेंगे तो हम सोचेंगे कहां? खैर, साहिब चिंता कैसी? जहां नाम बड़े होंगे, वहां तो दर्शन छोटे ही रहेंगे। कहां तो सपना था आम आदमी के लिए हैलीकाप्टर वाहन बनाने का। जी नहीं, आजादी की पौन सदी बीत चली, हैलीकाप्टर तो नहीं रहे, उन एक प्रतिशत लोगों के पास कि जिनके पास धन सम्पदा भारत जैसे बड़े देश के एक वर्ष के बजट के बराबर हो गई और हमारे लिए साइकिल युग की वापसी। अब आम लोगों के लिए फुटपाथ तोड़ हैलीपैड बनाओगे? वह तो फुटपाथ से भी गए, अब सोने के लिए क्या किसी नावदान की तलाश करें? वैसे आजकल देश के नावदान तलाश करने कठिन नहीं। जब से देश में स्वच्छ भारत की आवाज ऊंचे स्वर में होने लगी है, देश और भी अस्वच्छ हो गया है। सडक़ों के किनारे कूड़े के ढेर लगने लगे हैं। सफाई का मशीनीकरण हो रहा है। सप्ताह में रोज कूड़ा फेंकने वालों की ट्रालियां इन सडक़ों के किनारों पर कृपा करती रहती हैं। कूड़ा फैंकना बाकायदा एक व्यवसाय बन गया। बड़े होटलों, अस्पतालों और व्यावसायिक संस्थानों का कूड़ा-करकट, बचा खुचा, रात के अंधेरे में इन सडक़ों किनारे फैंकने के लिए बाकायदा कूड़ा माफिया और इनकी ट्रालियां बन गयीं। हां, देश में कूड़ा सफाई का मशीनीरण हो गया, एक ही दिन में सब कूड़ा साफ हो जाता है। शेष छह दिन इन किनारों पर नियोजित ढंग से कूड़ा फैंका जाता है। अहा! इक्कीसवीं सदी के साथ कैसा कूड़ा नियोजन हुआ। हफ्ते का काम एक दिन में निपट गया, अब मजे से सप्ताह भर कूड़ा फेंकिए, एक दिन में उठवा दीजिए। इस अभियान में देश अधिक स्वच्छ हुआ कि अस्वच्छ? इस पर चिंतन बाद में करेंगे।

देश दुनीया से

ये दाग अच्छा है!

पूजा करना, दान देना, व्रत-उपवास रखना आदि सभी सद्कर्म हैं और निश्चयपूर्वक इनके पालन का फल अच्छा ही होगा। हर धर्म इनकी अनुशंसा करता है। ध्यान बस यह रखना है कि हम घर में बैठ कर पूजा करें या किसी पूजा स्थल पर जाकर माथा टेकें, उसका जो महत्व है उससे भी ज्यादा महत्व इस बात का है कि पूजा के बाद हम दिन भर क्या करते हैं, हमारा व्यवहार कैसा रहता है? हमारा दिन भर का व्यवहार और हमारे काम ही नियत करते हैं कि हम आस्तिक हैं या नहीं। मंत्रों का जाप करके, भजन-कीर्तन करके, पूजा-पाठ करके हम खुद को आस्तिक मानते रह सकते हैं, पर आस्तिक सिर्फ और सिर्फ वही है जो दिन भर के अपने कामों और व्यवहार में ईमानदार है, दयालु है और समाज की भलाई के लिए योगदान देने को तैयार है। एक अच्छा पति वह नहीं है जो बीवी को शॉपिंग करवाए, उसे देश-विदेश की सैर करवाए, बल्कि वह है जो ध्यान से उसकी बात सुने, उसके भावों को समझे, उसे आदर दे और प्यार दे। भूख रोटी से मिटती है, मक्खन से नहीं। शॉपिंग और सैर मक्खन हैं। भावों की समझ, आदर और प्यार वह रोटी है जो बीवी का रिश्ता निभा रही महिला को तृप्ति देती है। इसी तरह पूजा-पाठ, दान, व्रत-उपवास आदि मक्खन हैं, दिन भर लोगों से शांति का व्यवहार, उनकी गलतियों के बावजूद उनसे सहानुभूति, इस ब्रह्मांड की हर जड़-चेतन वस्तु से प्यार, जरूरतमंदों की सहायता, मार्गदर्शन और ममतापूर्ण प्रेम हमें अच्छा इनसान बनाती हैं। हम पूजा-पाठ करते हों, व्रत-उपवास रखते हों, दान देते हों, लेकिन हम क्रोधी हों, अहंकारी हों, निर्दयी हों, लालची हों, झूठ बोलते हों, धोखेबाज हों, शिकायती हों, तो हमारी आस्तिकता और हमारे पूजा-पाठ, व्रत-उपवास और दान किसी काम के नहीं हैं। तब हमारी आस्तिकता या तो लोक दिखावा है, या हमारे अहंकार को बढ़ाने वाला अस्त्र है। अच्छा इनसान बने बिना हम आस्तिक हैं ही नहीं। आस्तिक होना पूजा-पाठ, व्रत-उपवास और दान तक ही सीमित नहीं है। वास्तविक आस्तिकता का मतलब है कि हमारे कारण हमारे आसपास का वातावरण सुखमय, शांतिमय और सौहार्दपूर्ण हो जाए, हमारे कारण हमारे आसपास के लोगों में उत्साह जगे, हमारे कारण हमारे संपर्क में आने वाले लोगों का भला हो, वे जीवन में आगे बढ़ सकें और अपनी व दूसरों की सहायता के काबिल बन सकें। आस्तिकता ग्रंथों और मूर्तियों तक ही सीमित नहीं है, इस ब्रह्मांड की हर जड़-चेतन वस्तु के प्रति प्रेम, आदर और श्रद्धा ही असली आस्तिकता है। देहरादून के निवासी मेरे मित्र विनीत पंछी एक ऐसे व्यक्ति हैं जो संगीत के रसिया ही नहीं पारखी भी हैं। वे 'वर्ड ऑव माउथ मीडिया' नामक मीडिया इन्क्यूबेटर तथा 'जय हिंद प्रोजेक्ट' के संस्थापक होने के साथ-साथ शायर हैं, कवि हैं, लेखक हैं, अभिनेता हैं, टेडएक्स स्पीकर हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी ने उन्हें घर से बाहर रहने पर विवश किया, पर अंततः उन्होंने अपने घर देहरादून वापस आकर अपने शौक को व्यवसाय में बदला। विनीत पंछी एक ऐसे टेढ़े इनसान हैं जो सीधे काम करते हैं। उनकी माता जी सिख परिवार से हैं, अत्यंत धार्मिक हैं, सिख धर्म से जुड़े हर पर्व पर गुरुद्वारा जाना उनकी रूटीन है। परिवार की इस संस्कृति के बावजूद वे किसी पूजा स्थल पर नहीं जाते, और उन्हें सिगरेट और शराब से भी परहेज नहीं है। इस नास्तिकता के पीछे ज्ञान का तर्क है, वैज्ञानिक सोच है, और जीवन का अनुभव है। लेकिन संवेदनशीलता की हद यह है कि उनके हर काम में पूर्ण समर्पण, निष्ठा, ईमानदारी, और पूरी काबलियत नजर आती है। नौकरी के कारण उन्हें घर से बाहर रहने को विवश होना पड़ा तो आज वह देहरादून के नौजवानों को वहीं पर रोजगार कर पाने का प्रशिक्षण देते हैं ताकि उन्हें अपने परिवार से अलग न होना पड़े। उन्हें अगर रेहड़ी-फड़ी वाले, दर्जी, धोबी आदि में भी अनुशासन दिखे, काम में काबलियत दिखे तो उसे लेकर वे पॉडकास्ट बनाएंगे, लेख लिखेंगे और उसकी सिफारिश भी करेंगे। लोगों को प्रेरित करना, उनके जीवन में आशा का संचार करना उनका एकमात्र लक्ष्य है। वे बॉलीवुड या क्रिकेट के सितारों के अंधानुकरण से दूर जीवन के उन नायकों की बात करते हैं जिन्हें हम अक्सर उपेक्षित कर देते हैं। सेवा भाव, विनम्रता, वफादारी, बहादुरी, रफ्तार और 'हो जाएगा' का उम्मीद भरा नजरिया उनकी ताकत हैं। कार्पोरेट जीवन से बाहर आकर उन्होंने जब देहरादून में अपना व्यवसाय आरंभ किया तो निश्चित आय का साधन जाता रहा। इससे जीवन में उतार-चढ़ाव आए, बहुत सी असफलताएं मिलीं और तकलीफें सहनी पड़ीं। इन तकलीफों ने उन्हें तोडने के बजाय मजबूती दी, तकलीफें उनकी प्रेरणा बन गईं और उनके कवि मन की संवेदना ने उन्हें एक बेहतर इनसान बना दिया। उसी का फल है कि आज वे नौजवानों को ऐसा प्रशिक्षण दे रहे हैं ताकि वे सफल हों और सफलता के साथ-साथ बेहतर इनसान भी बनें। 'सहज संन्यास मिशन' में हमें चार नियमों का पालन करना सिखाया जाता है। वे नियम हैं .. तन की सेवा, मन की सेवा, जन की सेवा और मनन की सेवा। अपनी सेहत का ध्यान रखना, शक्तिवर्धक भोजन खाना, व्यायाम करना आदि तन की सेवा के उदाहरण हैं। क्रोध न करना, उदास न होना, डर से न डरना, पछताते न रहना आदि मन की सेवा के उदाहरण हैं। अपने आसपास के लोगों की सहायता, उनका मार्गदर्शन, उनकी सेवा आदि जन की सेवा के उदाहरण हैं, और बेहतर इनसान बनने, अपनी कमियां सुधारने तथा अपनी काबलियत बढ़ाने आदि के लिए किया गया आत्मचिंतन मनन की सेवा का उदाहरण है। विनीत पंछी मन की सेवा, जन की सेवा और मनन की सेवा की कसौटी पर खरे उतरते हैं। विनीत पंछी की माता जी सिख धर्म की सच्ची अनुयायी हैं। सिख परंपरा में सेवा धर्म का खुलासा करते हुए जिस आदर्श वाक्य का पालन किया जाता है, वह है .. 'नाम जपो (परमात्मा का स्मरण), किरत करो (मेहनत और ईमानदारी की कमाई), वंड छको (मिल-बांट कर खाओ)'। विनीत पंछी किसी पूजास्थल पर नहीं जाते, भक्ति का दिखावा नहीं करते, पर वे मेहनत और ईमानदारी की कमाई खाते हैं और नौजवानों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें जीवन में सफलता के मंत्र सिखाते हैं, रोजगार के साधनों और अवसरों की जानकारी देते हैं।

आप का नजरीया

वर्षान्त पर्यटन पैकेज

पर्यटन संस्कृति को सरकारी दायित्व में अपनाते हुए हिमाचल ने कुछ तो नियमों की शब्दावली बदली है, लेकिन हम गोवा, गुजरात या केरल की पांत में खड़े हों, इसके लिए निरंतर प्रयास की जरूरत है। बहरहाल, सप्ताहांत से वर्षान्त पर्यटन की तलाशी में हिमाचल पुनः नए वर्ष की उम्मीदों के साथ खड़ा है, तो पर्वतीय प्रांगण में गुलदस्ते हाजिर हैं। विंटर कार्निवाल की प्रस्तुति में शिमला अपनी सेज पर सैर सपाटा सजाए, पर्यटकों की महफिल का आगाज कर चुका है, तो पहाड़ों पर बर्फ की चांदनी ने चमत्कार किया है। ऐसे में कुछ तो ऐसा है कि नए साल की शुरुआत रोमांच का पर्व बन गई। यह दीगर है कि फिलवक्त घंटियां उन्हीं हिल स्टेशन पर बज रही हैं, जो अंग्रेजी हुकूमत की दरगाह बनी सैलानियों को दर्शन दे रही हैं। बेशक हुकूमत ने साल के मनोरंजन से कानून की बेडियां ढीली की हैं, लेकिन पर्यटन की ताजपोशी के लिए पूरे राज्य की तैयारी को नया आयाम मिलना चाहिए। नए साल की घंटियां तो तमाम मंदिरों में भी बजती हैं और दियोटसिद्ध में तो बाकायदा समारोह मनाया जाने लगा है। प्रदेश में दिसंबर से जनवरी के पूरे महीने तक पर्यटन का राष्ट्रीय फलक खुलता है। यह खुली धूप सेंकने से पहाड़ों पर बर्फबारी के खुमार तक एक ऐसी दस्तक है, जो पूरे परिदृश्य को बदल सकती है। इस बीच लोहड़ी, मकर संक्रांति और कांगड़ा, बैजनाथ और मंडी के घृतमंडल समारोहों की भूमिका का परिचय जुड़े तो कमाल का पैकेज बन जाएगा। पर्वत की गुनगुनी धूप में सुजानपुर का मैदान, चंबा का चौगान और अन्य प्रमुख मैदानों पर अगर वसंतोत्सव की थाप पर पतंगबाजी के लिए आकाश चुना जाए, तो लोक संस्कृति के कई महोत्सव जमीन पर उतर आएंगे। सुक्खू सरकार ने वर्षान्त पर्यटन को सुखद अनुभव बनाने के लिए बाजारों की बंदिश को चौबीस घंटे खोल दिया है, लेकिन इस आजमाइश को पर्यटन की जरूरत से जोडने के लिए सारे प्रदेश में पर्यटन या नाइट मार्किट की शुरुआत होनी चाहिए। पर्यटक गांव की परिकल्पना एक शुरुआत है, लेकिन इसकी पहल में पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय की भूमि रूठ गई या धर्मशाला के नरघोटा की प्रस्तावित साढ़े छह सौ कनाल भूमि से सियासी निजाम रूठ गया। एशियन विकास बैंक के ऋण व केंद्र की सहायता से हिमाचल की पर्यटन परियोजनाओं का शृंगार परिवर्तन ला सकता है। प्रस्तावित 2416 करोड़ की परियोजनाओं में से 1680 करोड़ की स्वीकृति से एक खाका तो बनाया जा सकता है, लेकिन बेहतर इस्तेमाल की वजह सामने आनी चाहिए। अतीत में पर्यटन के नाम पर सियासी बुर्ज तो खड़े हुए, लेकिन कई परिकल्पनाएं औंधे मुंह गिरीं। पर्यटन में रोमांच ही असल में सैलानियों को करीब लाता है। हिमाचल की प्राकृतिक झीलों के अलावा कृत्रिम बांधों की विरासत में पर्यटन का ढांचा पौंग, भाखड़ा व कोल डैम के आसपास विकसित होना चाहिए। साल में वसंत की पैरवी में ऐतिहासिक या धरोहर उत्सव अगर कुछ संगीत महोत्सवों की रूपरेखा में कांगड़ा किला या सुजानपुर के मैदान को रोमांच से भर दें या लोहड़ी उत्सव की धुन में गरली-परागपुर के अंगीठों में फिर से अलाव के साथ संगीत समारोह तथा फूड फेस्टिवल जोड़ दिया जाए, तो हिमाचल में एक साथ कई गोवा सामने आ जाएंगे। जाहिर है हिमाचल को अपने पर्यटन कैलेंडर के अनुशासन में साल भर ऐसे महोत्सव चुनने व बुनने होंगे जो यहां की संस्कृति, गीत-संगीत, खानपान और रोमांच का प्रतिनिधित्व करें।

राज्य सरकार साहिबजादों के नाम पर छात्रावास के लिए सिख समाज को आवंटित करेगी जमीन : मुख्यमंत्री भजनलाल

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को वीर बाल दिवस पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में शब्द कीर्तन कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार साहिबजादों के नाम पर छात्रावास के लिए सिख समाज को जमीन आवंटित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख धर्म के दसवें गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों ने मातृ भूमि, संस्कृति और विचारों के लिए दृढ़ता के साथ जीवन का बलिदान कर दिया। ऐसे में उनको मेरा कोटि-कोटि नमन। बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह ने धर्म की रक्षा और सत्य के लिए अल्प आयु में ही प्राण न्यौछावर कर दिए, यह हम सब के लिए प्रेरणा का स्रोत है। शर्मा ने कहा कि अत्याचारी मुगल शासकों ने उन्हें झुकाने और उनका धर्म परिवर्तन करवाने के लिए अनेक अत्याचार किए लेकिन राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए साहिबजादो ने हंसते हुए मृत्यु को गले लगा लिया। साहिबजादों की शहादत हमें बताती है कि धर्म के मार्ग पर चलने के लिए उम्र नहीं, दृढ़ संकल्प और साहस की आवश्यकता होती है। सीएम शर्मा ने कहा कि ऐसी माता को भी नमन, जिसने अपने बच्चों में राष्ट्र और धर्म के लिए ऐसे संस्कार-शिक्षा दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का संकल्प है कि सिख धर्म के इन साहिबजादों के बलिदान को देश की युवा पीढ़ी को बताया जाए और इनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया जाए। भाजपा ने हमेशा सिख धर्म और उनकी विरासत का सम्मान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साहिबजादों की शहादत को राष्ट्रीय बाल दिवस घोषित कर उनकी स्मृति को चिर स्थाई बनाने की दिशा में सराहनीय कार्य किया है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी का यह प्रयास हमारी सांस्कृतिक धरोवर को संजोने और आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण कदम है। हमें भी वीर साहिबजादों के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि मुगलों ने इस्लाम धर्म कबूल करवाने के लिए साहिबजादों को यातनाएं दी। यह मासूम बच्चों पर दुख की पराकाष्ठा थी। मुगलों ने इन्हें यातनाएं देकर झुकने के लिए मजबूर किया लेकिन उन्होंने सिर झुकाने की बजाय प्राण न्यौछावर करना उचित समझा। ऐसे वीर बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इनकी बहादुरी को महसूस किया और बाल दिवस मनाने की घोषणा कर दी। एक ओर नेहरू के जन्म दिवस पर बाल दिवस मनाते थे लेकिन पीएम ने साहिबजादों के शहादत पर बाल दिवस मनाने की घोषणा की। यह परिवर्तन भी स्वागत योग्य है। राठौड़ ने कहा कि आज समय के अनुसार हमें जाग्रत रहने की आवश्यकता है। समाज को मुगलों द्वारा किए गए आतंक को बताने की आवश्यकता है। साथ ही हम सभी को संगठित और जागरूक रहने की आवश्यकता है। यदि हम सभी एक रहकर समाज को संगठित करके दृढ़ रहेंगे तो किसी की हिम्मत नहीं होगी हमारी ओर गलत नजर से देखे। कार्यक्रम समिति के प्रदेश संयोजक प्रणवेंद्र शर्मा ने कहा कि भाजपा प्रदेश कार्यालय के साथ प्रदेशभर में वीर बाल दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

हिसार के उकलाना में खाद्य आपूर्ति मंत्री का छापा, दो अधिकारी निलंबित

मंत्री नागर ने उकलाना में मारा छापा, गेहूं में नमी मिली तो की कार्रवाई

हिसार (हिंस)। हरियाणा के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने हिसार के जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक अमित शेखावत व उकलाना गोदाम के फूड इंस्पेक्टर विकास को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने फूड इंस्पेक्टर विकास कुमार पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश भी दिए हैं। दरअसल मंत्री राजेश नागर गुरुवार को जिले के कस्बा उकलाना में सरकारी गेहूं के गोदाम पर छापा मारा। बताया जा रहा है कि मंत्री राजेश नागर ने ये कार्रवाई डिपो संचालकों की शिकायत मिलने के बाद की। उन्हें लोड किए जा रहे ट्रक में भी गेहूं की बोरियां गीली मिली। इसके लिए वे खुद ट्रक में भी चढ़े और जब गेहूं की बोरियां गीली मिली तो उन्होंने ट्रक रूकवा लिया। मंत्री राजेश नागर ने खुद उकलाना स्थित गोदाम में ट्रक में चढ़कर गेहूं की बोरियां चेक की। मंत्री ने वहां काम कर रहे कर्मचारियों को जब इस बारे पूछा तो वे कोई जवाब नहीं दे पाए। इस पर मंत्री ने उन कर्मचारियों को डांट लगाते हुए हुए कि गरीबों का हक मार रहे हो, इससे बड़ा पाप क्या होगा। बताया जा रहा है कि उकलाना गोदाम से 25 दिसंबर को बरवाला क्षेत्र के राशन डिपो में गेहूं की सप्लाई भेजी गई थी। यहां के डिपो संचालकों ने गेहूं पर आपत्ति जता दी। उनका कहना था कि गेहूं गीली है। कई संचालकों ने तो इस गेंहू को डिपो पर उतरवाने से मना कर दिया। इसके बाद उन्होंने मंत्री राजेश नागर से शिकायत की। शिकायत मिलने की देर थी कि अगले ही दिन मंत्री मौके पर आ पहुंचे। विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को कतई अंदेशा नहीं था कि ऐसा भी हो सकता है। गुरुवार सुबह मंत्री राजेश नागर खुद गोदाम पर पहुंच गए। उन्होंने डिपो में भेजी जा रही गेहूं की जांच की और जांच के दौरान मंत्री को नमीयुक्त गेहूं मिली। नमीयुक्त गेहूं व अनियमितता पाए जाने के बाद मंत्री राजेश नागर ने जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक अमित शेखावत व फूड इंस्पेक्टर विकास कुमार को तुरंत निलंबित करने के आदेश दिए। गेहूं में नमी पाए जाने पर उन्होंने फूड इंस्पेक्टर विकास कुमार पर एफआईआर दर्ज करने के भी निर्देश दिए। मंत्री के अचानक मारे गए छापे व अधिकारियों पर की गई। कार्रवाई की जिलेभर में चर्चा रही।

राजस्थान हाईकोर्ट को मिलेंगे तीन नए जज

जोधपुर (हिंस)। नए साल में राजस्थान हाईकोर्ट को तीन नए न्यायाधीश मिलने जा रहे है। सुप्रीम कोर्ट कॉलिजियम ने राजस्थान के तीन न्यायिक अधिकारियों के नामों की सिफारिश की हैं। इन अधिकारियों में रजिस्ट्रार जनरल प्रमिल कुमार माथुर, जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयपुर महानगर द्वितीय चंद्रप्रकाश श्रीमाली और जिला एवं सत्र न्यायाधीश जोधपुर महानगर चंद्रशेखर शर्मा शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलिजियम ने तीनों नामों की सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी हैं। केंद्र से हरी झंडी मिलने के बाद राष्ट्रपति इन तीनों के नियुक्ति वारंट जारी करेंगे। तीनों 1992 बैच के न्यायिक अधिकारी हैं। बता दे कि राजस्थान हाईकोर्ट में 50 जजो की स्वीकृत संख्या है। इस समय हाई कोर्ट में 32 न्यायाधीश नियुक्त है। इन तीन नए जजों के मिलने के बाद हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 35 हो जाएगी। करीब दो साल पहले राजस्थान हाईकोर्ट को एक साथ 8 जज मिले थे। इनमें 5 न्यायिक कोटे से और 3 जज अधिवक्ता कोटे से बने थे। इन तीन नए जजों के मिलने के बाद हाईकोर्ट में न्यायधीशों की संख्या 35 हो जाएगी लेकिन उसके बाद भी स्वीकृत संख्या से 15 न्यायाधीश कम रहेंगे। इसके अलावा साल 2025 में पांच न्यायाधीश रिटायर भी हो जाएंगे। इनमें जनवरी माह में जस्टिस पंकज भंडारी, जस्टिस मदन गोपाल व्यास, मई में जस्टिस बीरेन्द्र कुमार, सिंतबर में जस्टिस नरेंद्र ढड़ा और नवंबर में जस्टिस मनोज कुमार गर्ग रिटायर हो जाएंगे। ऐसे में हाई कोर्ट में जजों की संख्या घटकर 30 ही रहने वाली है।

बीकानेर बंद सफल : खेजड़ी के पेड़ काटने और सरकार की ओर से कोई नीति नहीं बनाने का विरोध

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर में सोलर कंपनियों की ओर से लगातार खेजड़ी के पेड़ काटने और राज्य सरकार की ओर से कोई नीति नहीं बनाने के विरोध में गुरुवार को बीकानेर बंद सफल रहा। मुख्य मार्गों के साथ ही गली-मोहल्लों की दुकानें भी बंद करवाई गई। शहर के कई प्राइवेट मार्केट भी बंद रखे गए। बिश्नोई महासभा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अलग-अलग टोली बनाकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में घूम-घूमकर बाजार बंद करवाते दिखे। महासभा के पदाधिकारियों ने कोटगेट से केईएम रोड और कोटगेट से दाऊजी मंदिर तक अलग-अलग टीमों को भेजा। सुबह-सवेरे पहुंची इन टीमों को देखते ही दुकानों के शटर डाउन होने शुरू हो गए। वहीं नौ-दस बजे बाद खुलने वाली दुकानों के शटर ऊपर ही नहीं हुए। दाऊजी मंदिर से सार्दुल सिंह सर्किल तक दुकानें पूरी तरह बंद रही। इसके अलावा जस्सूसर गेट, नत्थूसर गेट, रानी बाजार, स्टेशन रोड, पंचशति सर्किल, जयनारायण व्यास कॉलोनी, खजांची मार्केट, जैन मार्केट सहित अनेक क्षेत्रों में भी बाजार पूरी तरह बंद रहे। अत्यावश्यक सेवाओं को बंद से अलग रखे गया है। ऐसे में पीबीएम अस्पताल के सामने मेडिकल दुकानों पर चहल-पहल नजर आ रही है लेकिन यहां जनरल स्टोर्स व अन्य दुकानें बंद है। मरीजों के परिजनों के लिए चाय-नाश्ते की दुकानें खुली है। वहीं सेटेलाइट और जिला अस्पताल के आसपास दवा की दुकानें दिखी। दरअसल, बीकानेर के ग्रामीण क्षेत्रों में हर रोज नए-नए सोलर प्लांट लग रहे हैं। इन प्लांट को लगाने के लिए हजारों की संख्या में खेजड़ी के पेड़ काट दिए गए हैं। पेड़ों को काटने के बाद नियमानुसार दूसरे लगाने होते हैं, ये काम भी नहीं हो रहा। स्थिति ये है कि अकेले बीकानेर में कई गांवों से खेजड़ी लुप्त हो गई है। बीकानेर के कलेक्टरी परिसर में ग्रामीण अर्से से धरना दे रहे थे। इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से नागौर यात्रा के दौरान मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में जल्द ही सख्त कानून बनाने और गैर कानूनी तरीके से खेजड़ी के पेड़ काटने वालों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। इसी आश्वासन पर धरना समाप्त कर दिया गया था। अब तक इस दिशा में कोई काम नहीं होने पर अब बीकानेर बंद की घोषणा की गई। गुरुवार को समाज के लोगों ने बंद के लिए अलग-अलग टीम बनाई।

अग्रोहा मेडिकल की छात्रा मानविका के सर सजा मिस हरियाणा का ताज

हिसार (हिंस)। महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज के होनहार छात्रों ने देश भर में कॉलेज का परचम लहरा कर पूरे महाविद्यालय परिवार का सिर गौरव से ऊंचा कर दिया है। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने दोहरी उपलब्धियां हासिल कर महाविद्यालय को गौरव का क्षण प्रदान किया है। एक ओर महाविद्यालय की छात्रा मानविका ने मिस हरियाणा का खिताब अपने नाम किया है तो वही डॉ. प्रणव तनेजा ने पीजी एंटेरेंस में ऑल इंडिया रैंक 82 हासिल कर महाविद्यालय के सम्मान में चार चांद लगाए हैं। डॉ. यशिमा और डॉ. मोहित सहरावत भी ऑल इंडिया रैंक 900 लेकर महाविद्यालय का गौरव बने हैं। महाविद्यालय की अध्यक्षा व विधायक सावित्री जिंदल ने गुरुवार को विद्यार्थियों की उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न सिर्फ हमारे महाविद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र व समाज के लिए गौरव का विषय है। हमारे महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने यह साबित किया है कि वे हर क्षेत्र में अव्वल हैं और न केवल बेहतर चिकित्सक बल्कि अच्छे नागरिक भी हैं। यह साबित करता है कि हमारा कॉलेज छात्रों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। सावित्री जिंदल ने कहा कि हमारे विद्यार्थियों की यह उपलब्धि महाविद्यालय परिवार, शिक्षकों व स्टाफ की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं और साबित करते हैं कि महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है।

मंदिरों पर बनाई गई मस्जिदों को स्वयं तोड़ें मुसलमान : उदयराजे होलकर

लखनऊ (हिंस)। आक्रांताओं द्वारा नष्ट-भ्रष्ट किए गए मंदिरों का जीर्णोद्धार इस देश की शांति के लिए परम आवश्यक है। इसलिए देशभर में मंदिरों को ध्वस्त कर बनायी गई मस्जिदों को मुस्लिमों को स्वयं तोड़ देना चाहिए। देश में विकास को लेकर सकारात्मक वातावरण है और इस नाते जहां भी कोई विधर्मी आक्रांताओं द्वारा मंदिरों को ध्वस्त किया गया है और उस पर खुद की मान्यता के अनुसार पूजा स्थल बना लिए, उस भयंकर गलती के परिमार्जन के लिए उनके मजहबी नेताओं को आगे आकर उन स्थलों को स्वयं हिंदुओं को सौंप देना चाहिए। इसी से देश में स्वस्थ वातावरण बनेगा, जो विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। यह बातें अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह समिति के कार्यकारी अध्यक्ष एवं अहिल्याबाई होलकर के वंशज उदयराजे होलकर ने कही। उदयराजे होलकर से हिंदुस्थान समाचार ने अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह समिति के उद्देश्य एवं वर्षभर होने वाले कार्यक्रमों समेत कई बिंदुओं पर बातचीत की। उदयराजे ने बताया कि अहिल्यादेवी होलकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से सारा देश परिचित हो इस उद्देश्य से अखिल भारतीय स्तर पर लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह समिति का गठन किया गया है। समिति में देशभर के प्रख्यात कलाकार, वरिष्ठ पत्रकार, शिक्षाविद, साहित्यकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं। समिति की ओर से लोकमाता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए वर्षभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उदयराजे होलकर ने बताया ? कि समिति द्वारा वर्षभर में अनेक कार्यशालाएं, सेमिनार तथा सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह आयोजन देश के प्रमुख महानगरों एवं विश्वविद्यालयों में संपन्न होंगे। देवी अहिल्याबाई ने देशभर के 100 से अधिक तीर्थस्थानों पर धर्मशालाएं, बावड़ी, अन्न क्षेत्र आदि के निर्माण करवाए थे, उन स्थानों पर भी विशेष आयोजन किए जाएंगे। इंदौर, लखनऊ व वाराणसी जैसे महानगरों में बड़े कार्यक्रम संपन्न भी हो चुके हैं। भारत की सभी प्रमुख भाषाओं में लोकमाता के साहित्य का प्रकाशन भी किया जाएगा। लोकमाता के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के साथ तीर्थ स्थलों के चित्रों सहित एक कॉपी टेबल बुक का भी प्रकाशन होगा। ललित कलाओं जैसे संगीत, नाटक, चित्रकला आदि के माध्यम से देवी अहिल्याबाई के जीवन को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अखंड भारत एवं सनातन अहिल्याबाई के चिंतन में समाया था। वह दिन-रात आने वाली पीढ़ियों और भारत वर्ष के भविष्य के चिंतन में लगी रहती थीं। राष्ट्र और संस्कृति को क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर मानती थीं। अहिल्याबाई ने महेश्वर राज्य की सीमा को लांघते हुए पूरे देश में सनातन धर्म के लिए काम किया। देवी अहिल्याबाई ने देशभर के शिव मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया। बद्रीनाथ से रामेश्वरम तक और द्वारिका से लेकर पुरी तक आक्रमणकारियों द्वारा क्षतिग्रस्त मंदिरों का उन्होंने पुनर्निर्माण करवाया। उदयराजे होलकर ने बताया कि अहिल्याबाई के जीवन के असंख्य पहलू हैं। त्रिशताब्दी समारोह समिति लोकमाता की अखिल भारतीय दृष्टि, सामाजिक समरसता का भाव, कुशल प्रशासक व महिला सशक्तीकरण जैसे बिंदुओं पर अधिक फोकस करेगी। उनके जीवन में समरसता का भाव था। महेश्वर में प्रतिदिन 300 लोगों की पंगत बैठती थी। उसमें राजपरिवार से लेकर सेना के सरदार व स्वच्छताकर्मियों से लेकर सब शामिल होते थे। वह सबको मां समान लगती थी। इसलिए सभी उनको मातोश्री के संबोधन से पुकारते थे। सामाजिक समरसता का श्रेष्ठ उदाहरण उन्होंने अपने जीवन में प्रस्तुत किया। उन्होंने अंतर्जातीय विवाह को प्रोत्साहित किया। न्याय प्रियता का धर्म उन्होंने अपने जीवन के अंतिम श्वास तक निभाया। उनके शासन में बिना भेदभाव के सबको न्याय मिलता था। गलती करने पर राजवंश के सदस्य को भी वह दंडित करती थीं। उन्होंने अपने पति को आर्थिक कदाचार के लिए दंडित किया था। इसी कारण जन साधारण उन्हें देवी मानने लगा था। उस समय न्यायालय बहुत कम थे। होलकर राज्य में न्यायालयों की शुरुआत अहिल्याबाई के समय में ही हुई। उनकी डाक व्यवस्था में सुदृढ़ थी। देवी अहिल्याबाई ने महिलाओं को आगे लाने व स्वावलंबी बनाने का महत्वपूर्ण काम किया। उन्हें समाज में उचित स्थान दिलाया। उनके मान सम्मान का ध्यान रखा। अपने शासनकाल में उन्होंने नदियों पर जो स्नान घाट बनवाए उनमें महिलाओं के लिए स्नान की अलग व्यवस्था की। विधवा महिलाओं को अपने पति की संपत्ति लेने का अधिकार दिया। महिलाओं को युद्ध कौशल सिखाए और महिला सेना का गठन किया। वे स्वयं भी रणक्षेत्र में जाया करती थीं। जब समाज में फैली कुरीतियों के विरुद्ध कोई आवाज नहीं उठाता था उस समय अहिल्याबाई ने सती प्रथा का विरोध किया।

राजस्थान के 24 शहरों में बारिश के साथ ओलावृष्टि की चेतावनी

जयपुर (हिंस)। एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से शुक्रवार को उदयपुर, अजमेर, कोटा, जयपुर, भरतपुर व बीकानेर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ हल्के से मध्यम बारिश होने की संभावना है। पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से 27 दिसंबर इन संभागों को कुछ भागों में मेघगर्जन, बारिश व कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है। 28 दिसंबर को कोटा, भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने व शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। 29 दिसंबर से मौसम शुष्क होगा तथा कहीं-कहीं घना कोहरा छाए रहने व तापमान में गिरावट होने की संभावना है। प्रदेश के 13 शहरों का रात का पारा 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। 3 डिग्री के साथ माउंट आबू की रात सबसे सर्द रही। मौसम विभाग के अनुसार प्रथम सप्ताह के दौरान राज्य में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। दूसरा सप्ताह 3 से 9 जनवरी के बीच में प्रदेश में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। गुरुवार को राज्य में मौसम मुख्यत: शुष्क रहा। राज्य में कहीं कहीं पर घना कोहरा दर्ज किया गया तथा कहीं कहीं पर अति घना कोहरा दर्ज किया गया । पश्चिमी राजस्थान में कहीं कहीं पर शीत दिन दर्ज किया गया। आगामी 48 घंटों के दौरान कोटा जयपुर अजमेर भरतपुर उदयपुर संभाग तथा शेखावटी क्षेत्र के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा तथा कहीं कहीं ओलावृष्टि होने की सम्भावना है। डूंगरपुर प्रदेश में सबसे गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान 23.5 और न्यूनतम तापमान 16.7 डिग्री दर्ज किया गया। जयपुर में दिनभर हल्के से मध्यम बादल छाए रहे और दिनभर हवाएं चली। इससे जयपुर के दिन के पारे में मामूली गिरावट दर्ज की गई। बादलों के बीच से सूरज की मध्यम रोशनी देखने को मिली। जयपुर के दिन के पारे में 0.6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। वहीं रात का पारा तीन दिन से स्थिर बना हुआ है। जयपुर का अधिकतम तापमान 21.2 और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री दर्ज किया गया। शुक्रवार और शनिवार को जयपुर में बारिश के साथ कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि होने की संभावना है।

आप पार्टी से दिल्ली के लोगों का हुआ मोहभंग : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधा और कहा कि पिछले 10 साल उठाकर देख लीजिए, दिल्ली के लोगों को ठगने के अतिरिक्त आम आदमी पार्टी ने कोई काम नहीं किया है। शेखावत गुरुवार को मीडिया से अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे। दिल्ली में आम आदमी पार्टी द्वारा महिलाओं को प्रलोभन देने और वहां के अधिकारियों के इसे नकारने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने जिस तरह की घोषणा की है, उसके उल्ट वहां के अधिकारियों ने सरकारी रिकॉर्ड पर प्रश्न का उत्तर दिया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह की ऐसी कोई योजना नहीं है। बिना किसी योजना के निराधार इस तरह से महिलाओं को भ्रमित करने का काम आम आदमी पार्टी कर रही है। पिछले दस साल में उठाकर देख लीजिए, दिल्ली के लोगों ठगने के अतिरिक्त आम आदमी पार्टी ने कोई काम नहीं किया है।

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के गठन के बाद वर्ष 2024 में बिहार के विकास को लगे पंख

पटना (हिंस)। वर्ष 2024 को अलविदा होने में चंद दिन शेष रह गए हैं। वैसे तो बिहार के लिए यह साल कई मायनों में खास रहा है लेकिन केंद्र में बीते 10 जून को भारतीय जनता पार्टी नीत राजग सरकार के गठन के बाद से बिहार के विकास को जैसे पंख लग गए हैं। कुल मिलाकर कहें तो यह साल बिहार के लिए उपलब्धियों से भरा रहा है। वर्ष 2024 के आम बजट में बिहार को केंद्र सरकार से विशेष पैकेज मिला। बिहार के लिए 60, 000 करोड़ रुपए का पैकेज घोषित किया गया, जिसमें 26, 000 करोड़ रुपए एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए और 11, 500 करोड़ रुपए बाढ़ प्रबंधन के लिए आवंटित किए गए। दरभंगा में एम्स का शिलान्यास और बिहार में 5 लाख करोड़ रुपए खर्च करने की घोषणा जैसे कदम आने वाले दिनों में बिहार के विकास में महत्वपूर्ण साबित होंगे। बिहार की समृद्धि और विकास के लिए दो बड़े ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण होगा। इसमें पहले एक्सप्रेस-वे पर करीबन 15 हजार करोड़ रुपए की लागत आयेगी। इससे 367 किलोमीटर एक्सप्रेस-वे बनेगा। इसके अंतर्गत उत्तर बिहार के पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय और दक्षिण बिहार के दो जिले लखीसराय, जमुई शामिल हैं। दूसरा एक्सप्रेस-वे 20 हजार करोड़ को होगा। बिहार में कुल 11 आरओबी बनेंगे। इसमें जहानाबाद, विक्रमगंज, नवादा, मधुबनी, कटिहार, मुंगेर, चंपारण शामिल हैं। आरा-बक्सर एक्सप्रेस-वे पर 8000 हजार करोड़ रुपए खर्चे जाएंगे, जो 168 किलोमीटर लंबा होगा। यह प्रोजेक्ट पूरा करने का लक्ष्य सितंबर, 2025 तक है। इसके अलावा पटना-बेतिया ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे 7000 करोड़ की लागत से 171 किलोमीटर का है, जिसका पूरा करने का लक्ष्य, 2026 तक है। मुंगेर से विध्यांचल कॉरिडोर की लागत 7000 करोड़ रुपए है। पूरा करने का लक्ष्य दिसम्बर, 2024 तक है। इसके साथ गंगा नदी पर 9.50 किलोमीटर लंबा छह लेन पुल का निर्माण भी शामिल है। उत्तर बिहार को पटना से जोड़ने के लिए 30 हजार करोड़ की लागत से सड़क का निर्माण होगा, जिसको पूरा करने का लक्ष्य 2027 तक का है। बुद्ध सर्किट से जुड़ी बिहार की परियोजनाएं आने वाले कुछ महीने के अंदर पूरी हो जाएंगी। रामजानकी मार्ग के तहत 240 किलोमीटर लंबी परियोजना के तहत 90 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण अगले वर्ष फरवरी में पूरा हो करने का लक्ष्य निर्धारित है। शेष 160 किमी लंबी सड़क के लिए मार्च 2025 तक डीपीआर बना लिया जाएगा। इसके अलावा 21, 000 करोड़ रुपए की राशि से पीरपैती में 2, 400 मेगावाट का पावर प्रोजेक्ट और गया में औद्योगिक पार्क की योजना भी बनाई गई। इस उद्योग पार्क में 800 करोड़ रुपए की राशि खर्च होगी, जो लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करेगा। लटकी परियोजनाओं को हरी झंडी वर्ष 2024 में बिहार की कई लंबित परियोजनाओं को गति मिली। पूर्णिया और बिहटा एयरपोर्ट, दरभंगा एम्स और सड़क परियोजनाओं का रास्ता साफ हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां दरभंगा में एम्स के निर्माण का शिलान्यास किया, वहीं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बिहार में 5 लाख करोड़ रुपए रोड सेक्टर में खर्च करने की घोषणा की। बिहार में बड़े प्रोजेक्ट्स की शुरुआत इस वर्ष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कई नई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इनमें पटना मरीन ड्राइव (दीघा से पटना सिटी तक), सिमरिया रिवर फ्रंट, राजगीर में बिहार का पहला खेल विश्वविद्यालय और अंतर्राष्ट्रीय खेल स्टेडियम शामिल हैं। इसके अतिरिक्त बिहार में ग्रामीण सड़कों के सुधार के लिए 25, 000 करोड़ रुपए खर्च करने का भी निर्णय लिया गया।

वीर बाल दिवस पर गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों को दी गई श्रद्धांजलि

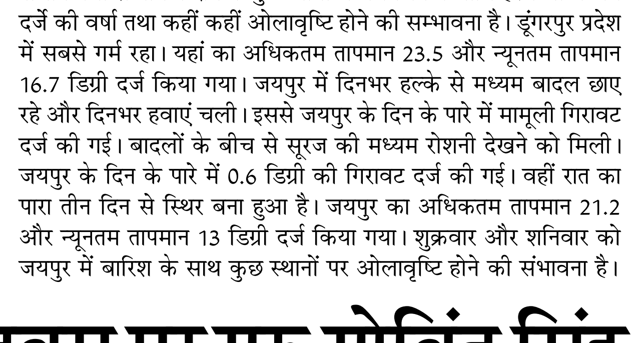

सहरसा (हिंस)। वीर बाल दिवस के अवसर पर भाजपा द्वारा स्थानीय गुरुद्वारा डीबी रोड में दसवें गुरू गोविंद सिंह जी के दो साहबजादे बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह के शहादत दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विधायक डॉ. आलोक रंजन, जिला उपाध्यक्ष शिव भूषण सिंह, जिला मंत्री राजीव रंजन साह, निवर्तमान नगर अध्यक्ष भैरव झा, नगर अध्यक्ष द्वय साजन शर्मा, आशिष गुप्ता सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित की और माथा टेका। विधायक डॉ. रंजन ने कहा कि सिख धर्म के दसवें गुरू गोविंद सिंह जी के दो पुत्रों के शहादत को हमलोग आज वीर बलिदान दिवस के अवसर पर याद करते हैं। उन उन्होंने कहा कि सिख धर्म के 10 गुरु हुए। जिन्होंने अपने प्राणों की बलि देकर सनातन धर्म की रक्षा की। अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया किंतु मुगलों की अधीनता नही स्वीकारी और ना ही उनके धर्म को अपनाया। उन्होंने कहा कि मुगल आक्रांताओं द्वारा 10 गुरुओं का शीश बलिदान लेने के बाद भी 10 में गुरु गुरु गोविंद सिंह के 2 मासूम वीर पुत्रों को जिंदा दीवार में चुनवा दिया गया। जिसके कारण उनके याद में हर वर्ष बाल दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर गुरुद्वारा गुरसिंघ सभा के प्रधान सरदार स्वर्ण सिंह, सचिव सरदार परबिंदर सिंह, हैप्पी सरदार गुरचरण सिंह, सरदार रणवीर सिंह, सरदार सुरेन्द्र सिंह, सिरजन सिंह, हरकिरत सिंह, करण जीत सिंह, माता राज रानी कौर, मनजीत कौर, यशपाल कौर, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुगामनी देवी, रणविजय यादव, हेम नारायण गुप्ता, शक्ति गुप्ता, ललन दास, संजय साह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में तेजी आने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,600 रुपये से लेकर 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,150 रुपये से लेकर 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी मामूली तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

देश के कई शहरों में पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़े, ब्रेंट क्रूड का भाव 73.58 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली। क्रिसमस के अगले ही दिन गुरुवार को तेल कंपनियों ने कई शहरों में ईंधन के दाम बढ़ा दिए हैं। हालांकि दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे बड़े महानगरों में कीमतें स्थिर रहीं। बिहार के पटना में पेट्रोल और डीजल के दाम में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गई। पेट्रोल 53 पैसे महंगा होकर 106.11 रुपये प्रति लीटर और डीजल 51 पैसे बढ़कर 92.92 रुपये प्रति लीटर हो गया। गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद समेत कई अन्य शहरों में भी मामूली बढ़ोतरी देखी गई। वहीं वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई के दाम में हल्की बढ़त ने इस बदलाव को प्रभावित किया है। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव 73.58 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई का रेट 70.29 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। वैश्विक स्तर पर इस मामूली उछाल का असर घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर साफ दिखाई दे रहा है। भारत में ईंधन की कीमतें रोजाना सुबह 6 बजे अपडेट होती हैं। इनकी तय कीमत में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और वैट जैसे शुल्क जोड़ने के बाद उपभोक्ताओं को मिलने वाला दाम लगभग दोगुना हो जाता है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में हलचल का असर आम आदमी की जेब पर पड़ता है।

मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज की 238 करोड़ जुटाने की योजना, निवेशकों को 1.19 अरब शेयर प्रदान किए जाएंगे

नई दिल्ली। मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमएसई) ने अपने कारोबार को जारी

रखने के लिए चार इकाइयों से 238 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी की है। ग्रो की मूल कंपनी बिलियनब्रेन्स गैराज वेंचर्स, जीरोधा की रेनमैटर इन्वेस्टमेंट्स, बीएसई-सूचीबद्ध शेयर इंडिया सिक्योरिटीज और सिक्यूरोकॉर्प सिक्योरिटीज इंडिया ने ये चार इकाइयां सभी मिलकर इस निवेश में शामिल होने का निर्णय लिया है। एमएसई की वेबसाइट पर मौजूद सूचना के अनुसार निवेशकों को 1.19 अरब शेयर प्रदान किए जाएंगे, जिसमें एक रुपये मूल्य और एक रुपये प्रीमियम शामिल होगा। ये निवेशक ने हाल ही में मंजूरी दी है। शेयर इंडिया सिक्योरिटीज ने एमएसई में 59.5 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। इस निवेश से शेयर इंडिया सिक्योरिटीज को 29.75 करोड़ शेयर मिलेंगे, जो उसकी उपस्थिति को वित्तीय सेवाओं तथा प्रतिभूति बाजार परिवेश में मजबूत करेगा। कंपनी के एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने इस निवेश की महत्वपूर्णता को बताया और उसकी यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में स्वागत किया। इस नए निवेश से एमएसई के कारोबार की वृद्धि की उम्मीद है, जिससे भारतीय वित्तीय बाजार में स्थिरता और विश्वास बढ़ेगा।

जियो ने 5जी वाउचर प्लान लॉन्च किया, सिर्फ 601 रुपए में मिलेगा सालभर का फायदा

नई दिल्ली। जियो रीचार्ज प्लान साल 2024 में समाप्त होने के बाद नए साल 2025 का आगमन किया जा रहा है। इस अवसर पर टेलीकॉम कंपनी ने अपने ग्राहकों को नए और बेहतर रिचार्ज प्लानों की पेशकश की है। इस पूर्वानुमान के अनुसार जियो ने अपने उपयोगकर्ताओं के लिए नया 5जी वौचर प्लान लॉन्च किया है। इस पैक में ग्राहकों को 12 महीने तक अनलिमिटेड डेटा के साथ कॉल और एसएमएस की सुविधा दी जा रही है। भारी उपयोगकर्ताओं के लिए यह एक अच्छा अनुरोध हो सकता है। इस 5जी वौचर प्लान की कीमत 601 रुपये है और यह मायजियो ऐप के माध्यम से उपलब्ध है। यह प्लान 199 रुपये से शुरू हो कर 899 रुपये तक के अन्य रिचार्ज प्लान के साथ लेकर जाया जा सकता है। जियो के इस नए वौचर प्लान का सबसे बड़ा फायदा यह है कि ग्राहकों को साल भर के रिचार्ज से छुटकारा मिलेगा। इस तरह से यह प्लान उन उपयोगकर्ताओं के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

आईडेंटिकल ब्रेन्स की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री, निवेशकों को पहले दिन ही जोरदार मुनाफा

लिस्टिंग होते ही पहले लोअर सर्किट पर और फिर अपर सर्किट पर पहुंचा शेयर

नई दिल्ली

फिल्म, वेब सीरीज, टीवी सीरियल और कॉमर्शियल्स को वीएफएक्स सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी आईडेंटिकल ब्रेन्स स्टूडियोज के शेयरों की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री हुई। लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर में गिरावट आ गई और ये लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने दोबारा जोर लगाया, जिससे इस शेयर में तेजी का रुख बन गया।

आईपीओ के तहत कंपनी ने 54 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर ये शेयर 75.93 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 95 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर टूट कर 90.25 के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। राहत की बात यही रही कि थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने जोर लगाया, जिसकी वजह से ये शेयर लोअर सर्किट के फंदे से निकल कर 99.75 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले ही दिन इस शेयर से 84.72 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। आईडेंटिकल ब्रेन्स स्टूडियोज का 19.95 करोड़ रुपये का आईपीओ 18 से 20 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। प्राइमरी मार्केट में इस आईपीओ को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 544.28 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 187.36 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 1,020.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 544.28 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इस आईपीओ के तहत आईडेंटिकल ब्रेन्स स्टूडियोज ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 36.94 लाख नए शेयर जारी किए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने मौजूदा ऑफिस और स्टूडियो का रिनोवेशन करने, नई ब्रांच ऑफिस में कलर ग्रेडिंग करने, डिजिटल इंटरमीडिएट और साउंड स्टूडियो लगाने में करेगी।

महाराष्ट्र में वाहनों के हाई-सिक्योरिटी नंबर प्लेट की कीमत तय

मुंबई। महाराष्ट्र में अप्रेल 2019 से पहले पंजीकृत वाहनों में हाई-सिक्योरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) लगाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। महाराष्ट्र परिवहन विभाग ने बताया कि इस कार्रवाई के लिए वाहन मालिकों को 531 रुपये से 879 रुपये तक की कीमत अदा करनी होगी। वाहन के प्रकार के आधार पर यह लागत फिक्स की गई है, जैसे कि दोपहिया वाहनों के लिए 531 रुपये, ऑटो-रिक्शा के लिए 590 रुपये और बड़े वाहनों के लिए 879 रुपये। माना जा रहा है कि हाई-सिक्योरिटी नंबर प्लेट का उपयोग दुर्घटनाओं और चोरी से बचाने के लिए ही नहीं, बल्कि यह एक अवसर भी प्रदान करेगा स्थानीय पुलिस को अप्रैल 2019 से पहले पंजीकृत पुराने वाहनों के साथ भी इस कार्रवाई को लागू किया गया है। यह नया पहलू वाहनों के सुरक्षा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है और वाहन मालिकों को इसे ध्यान में रखकर सुरक्षित रहने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।

स्मार्टफोन की मांग से इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 28 फीसदी की वृद्धि

मुंबई

निर्यात अप्रैल-नवंबर 25 में 22.5 बिलियन डॉलर तक बढ़ा

भारत से इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्यात वित्त वर्ष 25 की अप्रैल-नवंबर अवधि में 22.5 बिलियन तक पहुंच गया है, जो इसके पहले वित्त वर्ष 24 में इसी अवधि के 17.66 बिलियन डॉलर के मुकाबले लगभग 28 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। यह बढ़ोतरी इलेक्ट्रॉनिक्स को भारत के शीर्ष दस निर्यात क्षेत्रों में सबसे तेजी से बढ़ने वाला सेक्टर बना रही है।

इसने छठे स्थान से तीसरे स्थान पर छलांग लगाई है, केवल इंजीनियरिंग उत्पादों और पेट्रोलियम के बाद। इस वृद्धि का मुख्य श्रेय स्मार्टफोन उत्पादन को बढ़ावा देने वाली प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना को जाता है।

स्मार्टफोन निर्यात 13.11 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जो वित्त वर्ष 24 के 9.07 बिलियन डॉलर के मुकाबले 45 फीसदी की वृद्धि है। स्मार्टफोन अब कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात का 58 फीसदी हिस्सा रखते हैं, और यह हिस्सा वित्तीय 25 के आखिर तक 60-65 फीसदी तक पहुंचने की उम्मीद है। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात अब पेट्रोलियम निर्यात के आधे तक पहुंच रहा है, जो पिछले वर्षों की तुलना में एक बड़ी उपलब्धि है। अमेरिकी बाजार में स्मार्टफोन निर्यात ने अब हीरा निर्यात को भी पीछे छोड़ दिया है। सरकार घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और निर्यात आधारित विकास मॉडल को मजबूत करने के लिए टैरिफ संरचना की समीक्षा कर रही है।

नए वर्ष से बदल जाएंगे कई नियम सीधा आपकी जेब पर पड़ेगा असर

नए नियम मध्यमवर्गीय लोगों के जीवन और बजट पर सीधा प्रभाव डालेंगे

नई दिल्ली

साल 2024 का अलविदा कहने वाला है और नया साल 2025 शुरू होने वाला है। 1 जनवरी से नया साल शुरू होते ही कई महत्वपूर्ण वित्तीय और सामाजिक नियमों में बदलाव आने वाला है। नए नियम मध्यमवर्गीय लोगों के जीवन और बजट पर सीधा प्रभाव डालेंगे। इन नियमों में राशन कार्ड, एलपीजी सिलेंडर, क्रेडिट कार्ड, और ईपीएफओ पेंशन सहित कई ऐसे आइटम शामिल हैं, जो हर नागरिक के लिए आवश्यक हैं। व्यापार क्षेत्र में भी बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। विशेषकर अमेजन इंडिया ने नए साल के साथ ही अपनी प्राइम मेम्बरशिप के नियमों में बदलाव करने की सूचना दी है। अब प्राइम वीडियो स्ट्रीमिंग के लिए सिर्फ 2 टीवी पर ही सेवाएं उपलब्ध होंगी और अतिरिक्त मेम्बरशिप की आवश्यकता होगी। टेलीकॉम कंपनियों के लिए भी नए नियम तैयार हो रहे हैं। अब इन कंपनियों को ऑप्टिकल फाइबर और नए मोबाइल टावर लगाने के लिए ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होगी। यह नए नियम सर्विस प्रोवाइड करने और परेशानी कम करने में मददगार साबित हो सकते हैं।

सीतारमण ने निर्यात और व्यापार उद्योग विशेषज्ञों के साथ बजट पूर्व बैठक में की सुझाव एकत्र करने पर चर्चा

नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को राजधानी में निर्यात, व्यापार और उद्योग क्षेत्रों के प्रमुख हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक की। इस बैठक में आगामी केंद्रीय बजट 2025-26 के लिए अंतर्दृष्टि और सुझाव एकत्र करने पर चर्चा हुई।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी, 2025 को संसद में अगले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करेंगी।

निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आगामी बजट में व्यापार एवं सेवा क्षेत्रों को मजबूत बनाने के लिए प्रमुख चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की गई। इस बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव तुहिन कांता पांडे, आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ और मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंथा वी नागेश्वरन भी शामिल हुए। इससे पहले 24 दिसंबर को केंद्रीय वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ जाने-माने अर्थशास्त्रियों और क्षेत्र के विशेषज्ञों से बैठक की थी। इस बैठक में केंद्रीय बजट 2025-26 के लिए उनके विचार और सुझाव मांगे गए। सीतारमण के अलावा नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम, मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंथा नागेश्वरन और सुरजीत भल्ला, डीके जोशी समेत जाने-माने अर्थशास्त्री भी बैठक में शामिल थे।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजारों में तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर खरीदारी का रुख नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मंगलवार को बढ़त के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,040.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 266.24 अंक यानी 1.35 प्रतिशत उछल कर 20,031.13 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 43,237.20 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज, हांगकांग स्टॉक एक्सचेंज और इंडोनेशिया स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से कारोबार नहीं हो रहा है। एशियाई बाजारों में सिर्फ शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में कमजोरी नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 3,393.35 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.25 प्रतिशत जीते जी के साथ 23,824.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.24 प्रतिशत उछल कर 39,130.43 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,220.13 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स से 0.41 प्रतिशत उछलकर 1,400.41 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,442.32 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 सीजन 3 : शारजाह वारियर्स की कप्तानी करेंगे टिम साउथी

शारजाह

न्यूजीलैंड के आधुनिक क्रिकेट के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक टिम साउथी डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के आगामी संस्करण में शारजाह वॉरियर्स की कप्तानी करेंगे। 4 वनडे विश्व कप और 6 टी20 विश्व कप खेल चुके साउथी डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 में पहली बार हिस्सा ले रहे हैं। साउथी ने अपने करियर के विभिन्न चरणों में न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम की कप्तानी की है। 36 वर्षीय साउथी ने भारत में आईपीएल के 10 सीजन खेले हैं, जिसमें केकेआर, मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर जैसी टीमों के लिए खेला है, और यूके में द हंड्रेड और विटैलिटी ब्लास्ट में भी खेल चुके हैं। गेंदबाज के तौर पर साउथी के मुख्य हथियार तेज गति और आउटस्विंग हैं, लेकिन पिछले कुछ सालों में उन्होंने क्रॉस-सीम डिलीवरी और ऑफ कटर फेंकने की क्षमता भी विकसित की है। साउथी की सटीक सटीकता और बेहतरीन विविधता ने उन्हें वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बनाने में मदद की है। 19 साल की उम्र में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने वाले न्यूजीलैंड के इस खिलाड़ी ने पहले टी20 क्रिकेट में डेब्यू किया, जिसके बाद उन्होंने अपने देश के लिए वनडे और टेस्ट में अपना पहला मैच खेला। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 में डेब्यू करते हुए साउथी का पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट पॉल कॉलिंगवुड का था। कुल मिलाकर, उन्होंने 126 टी20 खेले हैं और 8 की इकॉनमी और 16.7 की स्ट्राइक रेट से 164 विकेट अपने नाम किए हैं। टी20 में इस दिग्गज पेसर का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 5/18 है। शारजाह वारियर्स का मानना है कि साउथी का अनुभव और खेल का ज्ञान आईएलटी20 के आगामी सीज़न के लिए टीम को मज़बूती प्रदान करेगा। आईएलटी20 सीज़न 3 की शुरुआत 11 जनवरी को होगी और शारजाह वारियर्स अपना पहला मैच 12 जनवरी को गुजरात जायंट्स के खिलाफ़ खेलेगा। इस अवसर पर टिम साउथी ने कहा, शारजाह वारियर्स के पास एक शानदार टीम है, जिसमें कई बेहतरीन बल्लेबाज़ और स्मार्ट और कुशल गेंदबाज़ हैं। इतने प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की कप्तानी करना और उनके साथ रहना वाकई रोमांचक होगा। टीम प्रबंधन के साथ मेरी बातचीत भी अब तक बहुत फ़ायदेमंद रही है और हमें पूरा भरोसा है कि यह सीज़न अच्छा रहेगा। मैं टीम में शामिल होने और उसका नेतृत्व करने के लिए वाकई उत्साहित हूँ। शारजाह वॉरियर्स के सीओओ, शेमल वैनगंकर ने कहा, हम, कैप्री स्पोर्ट्स में, टिम साउथी को शारजाह वॉरियर्स टीम में कप्तान के रूप में शामिल करने पर बहुत उत्साहित हैं। क्रिकेट के खेल के प्रति उनकी कार्य नीति और समर्पण बेमिसाल है और लड़ते रहने की उनकी दृढ़ता, योद्धा भावना के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। साउथी न केवल आईएलटी20 के आगामी संस्करण के लिए हमारी टीम को मजबूत करते हैं, बल्कि इसमें गहराई और अनुभव भी जोड़ते हैं।

न्यूज ब्रीफ

एचआईएल ने हमें नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया : हरमनप्रीत सिंह

राउरकेला। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान और स्टार ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने आगामी हीरो

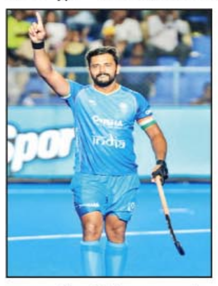

हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) सीजन में सूरमा हॉकी क्लब का नेतृत्व करने की तैयारी के बारे में अपनी उत्सुकता व्यक्त की है, जो 28 दिसंबर, 2024 से शुरू होने वाला है। हाल ही में नीलामी के दौरान सूरमा हॉकी क्लब द्वारा 78 लाख में खरीदे जाने के बाद हरमनप्रीत सिंह एचआईएल इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए और वह अपने अनुभव और ड्रैग फ्लिकिंग कौशल को फ्रैंचाइज़ी में लाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मैं सूरमा हॉकी क्लब के खिलाड़ी के रूप में भारतीय हॉकी के इस नए अध्याय की शुरुआत करने और हीरो हॉकी इंडिया लीग में प्रतिस्पर्धा करने के लिए रोमांचित हूं। लीग खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक शानदार मंच प्रदान करती है और मैं इस सीजन में टीम की सफलता में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं। हीरो हॉकी इंडिया लीग सात साल के अंतराल के बाद फिर से शुरू हो रही है, लेकिन लीग की वापसी के साथ ही महिला लीग की शुरुआत भी हो रही है, जो भारत में अपनी तरह की पहली लीग होगी। हरमनप्रीत ने कहा, भारतीय पुरुष हॉकी टीम में भी एचआईएल का प्रभाव देखा जा सकता है। ओलंपिक में टीम की सफलता का श्रेय लीग को जाता है, जिसने हमें कम उम्र में ही काफी कुछ सिखाया। जिन खिलाड़ियों को आप आदर्श मानते हैं, उनके साथ खेलना और उनके खिलाफ रोजाना प्रतिस्पर्धा करना, हमें जितना हम सोच सकते थे, उससे कहीं बेहतर बनाता है। इस बार महिला एचआईएल भी शुरू हो रही है, मुझे यकीन है कि यह भारतीय महिला हॉकी टीम को भविष्य में और भी ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

वेस्ट ब्रोम छोड़ने के बाद कार्लोस कोरबेरन ने संभाली वालेंसिया की कमान

मैड्रिड। ला लीगा के संयुक्त निचले क्लब वालेंसिया ने बुधवार को कार्लोस कोरबेरन को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। इंग्लिश चैम्पियनशिप टीम वेस्ट ब्रोमविच एल्बियन को छोड़कर आए 41 वर्षीय कोरबेरन रुबेन बाराजा की जगह लेंगे। पूर्व कोच रुबेन बाराजा को सोमवार को बर्खास्त कर दिया गया था। इससे पहले वालेंसिया ने अपने घरेलू मैदान पर अलावेस के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था। इस मैच से पहले टीम ने अपने पहले 17 मैचों में केवल 12 अंक ही अर्जित किए थे। माना जा रहा है कि वालेंसिया ने कोरबेरन के रिलीज क्लॉज के लिए करीब तीन मिलियन यूरो का भुगतान किया है। वेस्ट ब्रोम ने एक बयान में पुष्टि की, एल्बियन ने कार्लोस कोरबेरन के क्लब छोड़ने और ला लीगा की टीम वालेंसिया के साथ एक नया अवसर तलाशने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमति जताई है। 41 वर्षीय खिलाड़ी हमारे आभार के साथ अपने वतन लौटने के लिए तैयार है। वहीं, कोरबेरन ने कहा कि यह निर्णय मेरे जीवन का सबसे कठिन निर्णय था। उन्होंने कहा, इस विशेष क्लब के लिए मेरे दिल में हमेशा एक जगह रहेगी और मुझे उम्मीद है कि एक दिन मैं आप सभी के अविश्वसनीय समर्थन के लिए धन्यवाद देने के लिए वापस आ पाऊंगा।

आईसीसी ने बतौर मैच रेफरी 100 पुरुष टेस्ट मैच पूरे करने पर पाइक्रॉफ्ट को दी बधाई

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एंडी पाइक्रॉफ्ट को मैच रेफरी के रूप में 100 पुरुष

टेस्ट मैच पूरे करने पर बधाई दी है। मैच रेफरी के एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के सदस्य पाइक्रॉफ्ट ने गुरुवार को मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच चौथे टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। 68 वर्षीय पूर्व जिम्बाब्वे कप्तान ने 2009 से अब तक 238 पुरुष वनडे, 174 पुरुष टी20 और 21 महिला टी20 मैचों में भी अंपायरिंग की है। आईसीसी के वरिष्ठ प्रबंधक - अंपायर और रेफरी सीन ईज़ी ने कहा, मैं एंडी को बधाई देना चाहता हूँ क्योंकि उन्होंने आईसीसी मैच रेफरी के रूप में टेस्ट मैचों का शतक पूरा कर लिया है। हमारे एलीट पैनल के एक अनुभवी सदस्य के रूप में, वे खेल की रक्षा और सुधार के लिए क्रिकेट की अपनी समझ का लगातार लाभ उठाते हैं। एंडी का खिलाड़ियों और साथियों द्वारा समान रूप से सम्मान किया जाता है, और हम भाग्यशाली हैं कि वह हमारी टीम में है। एंडी पाइक्रॉफ्ट ने कहा, इतने सालों से अमीरात आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी में शामिल होना और दुनिया भर में अलग-अलग संस्कृतियों को अपनाते हुए रेफरी करने का अवसर मिलना मेरे लिए बहुत सम्मान और खुशी की बात है। मैं आईसीसी को उसके समर्थन के लिए, मेरे साथी मैच अधिकारियों, भूतपूर्व और वर्तमान को, उनके व्यावसायिकता और मित्रता के लिए, और मेरी पत्नी, करेन और मेरे परिवार को, उनके प्रोत्साहन और सहनशीलता के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। यह एक पुरस्कृत यात्रा रही है, और मैंने इसके हर पल को संजोया है। पाइक्रॉफ्ट ने 1983 और 1992 के बीच तीन टेस्ट में 152 रन और 20 वनडे में 295 रन बनाए हैं।

मेलबर्न टेस्ट

पहले दिन का खेल खत्म, ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट पर बनाए 311 रन, चार बल्लेबाजों ने लगाया अर्धशतक

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत यहां खेले जा रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के पहले दिन 6 विकेट पर 311 रन बना लिए हैं। खेल खत्म होने पर स्टीव स्मिथ 68 और कप्तान पैट कमिंस 8 रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से चार बल्लेबाजों स्टीव स्मिथ (नाबाद 68) उस्मान ख्वाजा (57), मार्नस लाबुशेन (72) और सैम कोंस्टास (60) ने अर्धशतक लगाए।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सैम कोंस्टास और उस्मान ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। विशेषकर कोंस्टास ने टी-20 प्रारुप की तरह बल्लेबाजी करनी शुरु की। उन्होंने खासकर बुमराह पर निशाना साधा और उनकी जमकर खबर ली। देखते ही देखते उन्होने अपना अर्धशतक भी पूरा कर लिया। ख्वाजा और कोंस्टास ने 19.1 ओवर में 89 रन जोड़ लिये। रवींद्र जडेजा ने इसी स्कोर पर कोंस्टास को एलबीडब्ल्यू कर यह साझेदारी तोड़ी। कोंस्टास ने 65 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के की बदौलत 60 रन बनाए।

इसके बाद उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन ने दूसरे विकेट के लिए 65 रनों की साझेदारी की। 154 के कुल स्कोर पर बुमराह ने ख्वाजा को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। ख्वाजा ने 57 रनों शानदार अर्धशतकीय पारी खेली।

यहां से लाबुशेन और स्मिथ ने एक बार फिर से पारी संभाली और तीसरे विकेट के लिए 83 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को वाशिंगटन सुंदर ने तोड़ा। सुंदर ने 237 के कुल स्कोर पर लाबुशेन को पवेलियन भेज भारत को तीसरी सफलता दिलाई। लाबुशेन के आउट होने के बाद बुमराह ने ट्रैविस हेड (00) को बोल्ड कर भारत को बड़ी राहत दिलाई। इसके बुमराह ने 246 के कुल स्कोर पर मिचेल मॉर्श (04) को भी अपना शिकार बनाया। यहां से एलेक्स कैरी और स्मिथ ने छठे विकेट के लिए 53 रन जोड़े। इस दौरान स्मिथ ने 71 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। आकाशदीप ने 299 के कुल स्कोर पर कैरी (31) को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। इसके बाद स्मिथ और पैट कमिंस ने दिन का खेल खत्म होने तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया और टीम का स्कोर 311 रन तक पहुंचा दिया। स्मिथ 68 और कमिंस 8 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 3, आकाशदीप, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने 1-1 विकेट लिया। बता दें कि इस मैच के लिए भारत ने अपनी टीम में एक बदलाव किया है। शुभमन गिल को बाहर किया गया है और उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका मिला है, वहीं, कप्तान रोहित शर्मा मैच में ओपनिंग करेंगे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने नाथन मैकस्विनी की जगह सैम कोंस्टास को टीम में शामिल किया।

सैम कोंस्टास ने कोहली के साथ हुई झड़प पर तोड़ी चुप्पी, कहा-क्रिकेट में ऐसा होता है

मेलबर्न

भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण करने वाले युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास ने गुरुवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर अपनी 60 रनों की धमाकेदार पारी से सुर्खियाँ बटोरीं। मैदान पर रहने के दौरान कोंस्टास ने कुछ धमाकेदार शॉट लगाए, खास तौर पर उन्होंने जसप्रीत बुमराह की गेंदों पर जमकर बल्ला घुमाया। हालांकि, 19 वर्षीय सलामी बल्लेबाज की मैदान पर विराट कोहली के साथ तीखी बहस भी हुई।

आउट होने के बाद कोंस्टास ने बताया कि मैदान पर कोहली के साथ क्या हुआ था, उन्होंने कहा कि भावनाएं उन दोनों पर हावी हो गईं थी।

टेस्ट क्रिकेट में अपने पहले मैच में अर्धशतक बनाने के बाद कोंस्टास मैदान के बाहर मुस्कुरा रहे थे। कोहली से जुड़ी घटना पर इस युवा खिलाड़ी को कोई शिकायत नहीं है।

कोंस्टास ने ब्रॉडकास्टर 7क्रिकेट से कहा, मुझे लगता है कि हम दोनों की भावनाएं प्रभावित हो गई थीं। मुझे इसका अहसास नहीं हुआ क्योंकि मैं अपने दस्ताने पहन रहा था। लेकिन, क्रिकेट में ऐसा होता है।

कोंस्टास से बुमराह के खिलाफ उनकी योजनाओं के बारे में भी पूछा गया, जिसपर उन्होंने कहा, मेरी कोई योजना नहीं थी, मैं अच्छे क्रिकेट शॉट खेलने जा रहा था, लेकिन बुमराह निश्चित रूप से विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं और हां, उन पर दबाव बनाने की कोशिश करना और उनकी रणनीति में बदलाव करना ही मुख्य बात थी।

ऑटोग्राफ देते हुए कोहली

मेलबर्न में भारतीय क्रिकेट टीम के विराट कोहली बाउंड्री के पास लोगों को ऑटोग्राफ देते हुए।

महज 14 साल की उम्र में भारतीय स्क्वैश टीम में जगह बनाने वाली अनिका ने कहा- भारत के लिए खेलना एक सपना सच होने जैसा

नई दिल्ली

महज 14 साल की उम्र में, अनिका दुबे, जिन्हें प्यार से पुणे की गोल्डन गर्ल के नाम से जाना जाता है, ने फरवरी 2025 में हांगकांग में होने वाली आगामी एशियाई टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाकर एक असाधारण उपलब्धि हासिल की है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि उन्हें इस तरह के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली महाराष्ट्र की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनाती है।

अपनी इस उपलब्धि पर अनिका ने बातचीत की। उन्होंने इस दौरान अपनी अब तक की यात्रा पर विस्तार से ब ताया।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने को लेकर अनिका

ने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना न केवल एक शानदार अवसर है, बल्कि एक रोमांचक अनुभव भी है। यह एक सपने के सच होने जैसा है। स्क्वैश को अब ओलंपिक 2028 में शामिल कर लिया गया है, इसलिए खिलाड़ियों के लिए तैयारी शुरू करने और एक मजबूत टीम बनाने का यह एक रोमांचक समय है। मेरा मानना है कि दृढ़ता और समर्पण रास्ते में आने वाली किसी भी कठिनाई को दूर करने में मदद कर सकता है। अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए अनिका ने कहा, शुरू में, पढ़ाई और खेल के बीच संतुलन बनाना एक चुनौती थी। मुझे कई रातें देर से पढ़ाई और सुबह जल्दी प्रशिक्षण सत्र की याद है। हालांकि, मैंने आखिरी क्षण तक इंतजार करने के बजाय पहले से अच्छी तरह से अध्ययन करके अपने समय प्रबंधन कौशल में सुधार किया। इससे मुझे आगे रहने और दोनों प्रतिबद्धताओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद मिली। एशियाई स्क्वैश टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने पर परिवार की क्या प्रतिक्रिया थी इस सवाल पर अनिका ने कहा, मेरा परिवार, खासकर मेरा छोटा भाई, सिर्फ़ सहायक ही नहीं रहा है।

लखीमपुर खेल महोत्सव का आतिशबाजी के साथ हुआ समापन

लखीमपुर खीरी

लखीमपुर खेल महोत्सव के पांचवीं और अंतिम दिवस का भव्य समापन मध्य रात्रि में क्रिकेट मैच के फाइनल व आतिशबाजियों के बीच हुआ। महोत्सव के अंतिम दिवस विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि इंजीनियर अवनीश सिंह पटेल द्वारा पुरस्कृत किया गया। खेल महोत्सव में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता बालक वर्ग के तहत खीरी पुलिस बनाम छात्रावास के मध्य मुकाबला हुआ जिसमें छात्रावास ने दो-एक से विजय

प्राप्त की।

क्रिकेट प्रतियोगिता में हुआ पहला सेमीफाइनल फतेहपुर 11 बनाम स्मार्ट बॉय 11 के मध्य हुआ जिसमें स्मार्ट बॉय 11 ने जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में डाबला 11 बनाम द्वारिका थंडर 11 के मध्य हुआ जिसे डाबला 11 ने आसानी से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।

फाइनल मुकाबले के मध्य नगर के होनहार बच्चों ने अपने जूडो-कराटे के प्रदर्शन से सभी को अपनी ओर खींच लिया।

महोत्सव का अंतिम आयोजन क्रिकेट के फाइनल मैच डाबला 11 और स्मार्ट बॉय 11 के बीच हुआ। फाइनल का यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए डाबला 11 ने निर्धारित 15 ओवर में 93 रन बनाए और जीत के लिए स्मार्ट बॉय 11 के आगे 94 रन का लक्ष्य रखा। कांटे के इस मुकाबले में स्मार्ट बॉय 11 ने पांच विकेट से जीत हासिल कर क्रिकेट की ट्रॉफी अपने नाम की। फाइनल मुकाबले के होते ही राजकीय इंटर कॉलेज का मैदान आतिशबाजी की जगमगाती रोशनी से जगमगा उठा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रान्त प्रचारक अवध प्रान्त कौशल , विशिष्ट अतिथि इं. अवनीश सिंह पटेल स्नातक एमएलसी, विभाग प्रचारक अभिषेक , विधायक योगेश वर्मा, विधायक विनोद शंकर अवस्थी, विधायक मंजू त्यागी, पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद मिश्रा, अभिषेक सिंह सोमू, लखीमपुर ब्लॉक प्रमुख दिव्या सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, सदर विधायक योगेश वर्मा, पालिका अध्यक्ष डॉक्टर इरा श्रीवास्तव, अधिशासी अधिकारी संजय कुमार, क्रीडा भारती से कपिल श्रीवास्तव कनिष्क बरनवाल आनंद वर्मा आशीष सिंह चौहान दुर्गेश वर्मा सहित नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी व मौके पर भारी भीड़ उपस्थित रही, जिसने होने वाले सारे कार्यक्रमों का भरपूर मनोरंजन उठाया। कार्यक्रम का कुशल संचालन राम मोहन गुप्ता द्वारा किया गया।

सुझाव

इन बातों के लिए बच्चों को कहना चाहिए ना

पैरेंट्स बनना अपने आप में कई तरह की जिम्मेदारियां लेकर आता है वहीं बच्चों को न कहना सबसे मुश्किल काम है। लेकिन कभी-कभी उनकी भलाई के लिए आपको ऐसा कहना पड़ता है खासकर मामला जब उनकी हेल्थ का हो। यहां कुछ ऐसी ही सिचुएशंस हैं जब उनकी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए आपको उनको न कह देना चाहिए...

टाइम से सोना और जागना

चाहे छुट्टियां हों या स्कूल के दिन, सोने के समय को लेकर आपको सख्त होने की जरूरत है। अगर आपका बच्चा आधी रात के बाद काफी एनर्जी में दिख रहा है तो आपको ये बताने की जरूरत है कि खेलने का वक्त निकल चुका है ताकि वह टाइम से सो और जाग सके। आखिरकार इनफेक्शंस से बचने के लिए पर्याप्त नींद की भी जरूरी है।

न छोड़ने दें खाना

नियमित अंतराल पर खाना खाना डाइजेशन और शरीर को मजबूत करने के लिए जरूरी होता है। अगर आपका बच्चा कुछ खाने से परहेज करता है तो उसे आराम से मनाएं। नाश्ता खासतौर पर बहुत जरूरी है। इसे न लेने पर शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिलता।

हाइजीन का रखें ध्यान

खाने से पहले साफ-सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। वॉशरूम जाने के बाद भी हाथ धोने की आदत डालें। खेलने के बाद बच्चा सीधे खाने के लिए बैठ जाए तो न कहने पर अपराध बोध न करें।

विडियो गेम कम एक्सर्साइज ज्यादा

बच्चे को आईपैड देने और विडियो गेम खेलने का समय निश्चित कर दें। इसके साथ ही उन्हें बाहर निकलकर फिजिकल एक्टिविटी या कोई खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित करें।

इन सर्दियों में ठंड से बचें और स्टाइलिश भी दिखें

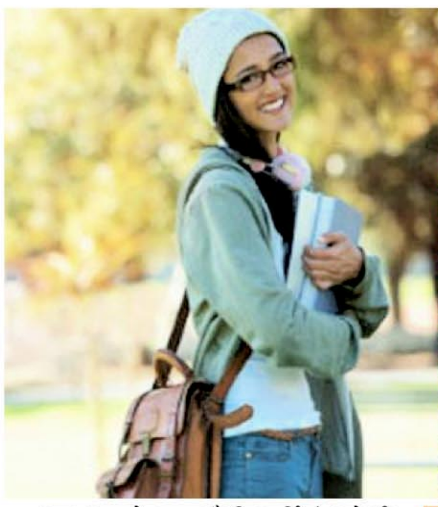

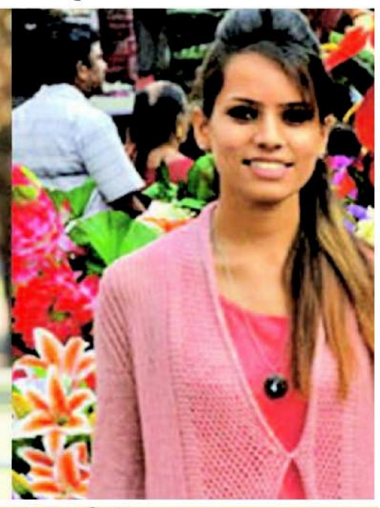

अगर आपको लगता है कि सर्दियां आते ही सारा फैशन खत्म हो जाता है और स्वेटर-जैकेट के नीचे स्टाइल दब जाता है तो आप गलत हैं। आज हम आपको बता रहे हैं 6 टिप्स ऐंड ट्रिक्स जिनका इस्तेमाल कर आप बिना ज्यादा पैसे खर्च किए और स्टाइल से कॉम्प्रमाइज किए बिना ठंड से भी बचेंगी और स्टाइलिश भी दिखेंगी। आगे की स्लाइड्स में जानें कैसे...

हर वक्त काम आते हैं मोजे

अब वो जमाना नहीं रहा जब मोजा सिर्फ जूते के साथ पहनने के लिए एक सहायक वस्तु हुआ करता था। अब मार्केट में एक से बढ़कर एक क्यूट और फंकी मोजे आ गए हैं इसलिए इन्हें न पहनने की आपके पास कोई वजह नहीं है। इस तरह के फंकी मोजे आपकी खूबसूरती भी बढ़ाएंगे और आपके पैरों को भी गर्म रखेंगे। सिर्फ जूते ही क्यों आप चाहें तो सैंडल्स के साथ भी मोजे पहन सकती हैं। हाई फैशन रनवे मॉडल्स से लेकर स्ट्रीट स्टाइल स्टार्स तक इस बात के सबूत हैं कि अगर ढंग से स्टाइल किया जाए तो सैंडल के साथ भी मोजे का कॉम्बिनेशन अच्छा लगता है।

टर्टलनेक है बेस्ट

इन सर्दियों में टर्टलनेक को अपना बेस्ट फ्रेंड बनाएं। आपके वॉरड्रोब में टर्टलनेक वाले कपड़े होने ही चाहिए क्योंकि ये आपको सर्दियों में गर्म रखने के साथ-साथ स्टाइलिश लुक भी देते हैं। आप चाहें तो इसे अपने हिसाब से सैकड़ों तरीकों से स्टाइल कर सकती हैं।

ब्लैंकेट स्कार्फ

शायद आपको यकीन नहीं होगा लेकिन यह सच है कि आप ब्लैंकेट यानी कंबल ओढ़कर भी स्टाइलिश दिख सकती हैं। इन दिनों ब्लैंकेट स्कार्फ फैशन में बना हुआ है। इनके इस्तेमाल से आपको काफी गर्मी महसूस होगी। कई बार हम सर्दियों में यह सोचकर पुराने कपड़े पहन लेते हैं कि ऊपर से तो स्वेटर या जैकेट पहनना ही है। अगर आपने भी ऐसा कुछ प्लान किया है तो यह ब्लैंकेट स्कार्फ आपके पुराने आउटफिट को छिपाने में मदद करेगा। साथ ही अगर आपको नींद आ रही हो तो आप इसे ओढ़ भी सकती हैं।

डेनिम के नीचे टाइट्स

अगर आपने गर्मी के मौसम में कटी-फटी, रग्ड या डिस्ट्रेस्ड जींस खरीदी थी तो यकीन मानिए यह जींस सर्दी के मौसम में भी बर्बाद नहीं होगी। बस आपको करना यह है कि एक अच्छा सा वॉर्म टाइट्स खरीद लें और इसे जींस के नीचे पहनें। ये टाइट्स न सिर्फ आपको ठंड से बचाएंगे बल्कि आपके आउटफिट को अलग अंदाज भी देंगे।

स्वास्थ्य

माथे के इस प्वाइंट को दबाएं, हैल्थ प्रॉब्लम से राहत पाएं

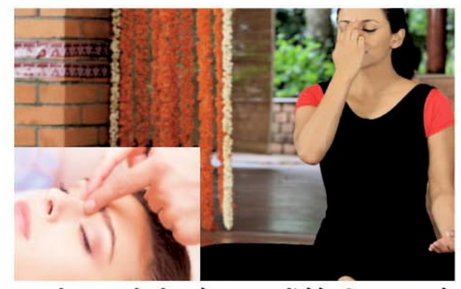

महंगाई के दौर में हर कोई अपने काम में मशरूफ है। रोजाना दफ्तर में घंटों स्क्रीन के सामने बैठकर काम कर पाना काफी मुश्किल है। ऐसे में हम लोग अपने खान-पान की तरफ भी ठीक से ध्यान नहीं देते, जिस वजह से अक्सर सिर दर्द और अन्य शिकायत रहती है। इससे छुटकारा पाने के लिए लोग अक्सर कई दवाइयों का सहारा लेते है, जिनके लगातार सेवन से अपनी ही सेहत को नुकसान पहुंचता है। आज हम आपको साधारण तरीका बताएंगे, जिसको ट्राई करने से सिर दर्द से लेकर सभी छोटी-मोटी प्रॉबल्म दूर होती है।

बेहतर रक्तसंचार

भौहों को दबाने से टेंशन, गैस्ट्रिक समस्या जैसी समस्या दूर होती है। ब्लड सकरुलेशन भी बेहतर रहता है। भौहों को दबाने से शरीर में हैप्पी हर्मोन्स रिलीज होता है, जिससे तनाव दूर रहता है।

याददाश्त तेज

ऐसा करने से याददाश्त तेज होती है। इस प्रक्रिया को बच्चों से भी करवाए, क्योंकि यह उनके लिए काफी फायदेमंद हो सकती है।

थकान कम होना

भौहों के बीच से माथे को दबाने से थकान की समस्या भी दूर होती है। अगर आपको ऑफिस के कारण थकान रहती है तो आप इस प्रक्रिया को ऑफिस में बैठे-बैठे भी कर सकते है।

आंखों को आराम

लगातार किसी काम पर आंखे गढ़ाए रखने से आंखों पर काफी बोझ बढ़ जाता है, जिससे आंखे दर्द होने लगती है। आंखों आराम देने के लिए अपने माथे को उंगलियों की मदद से दबाएं। काफी आराम मिलेगा।

भौहों के बीच वाला प्वाइंट दबाएं

अगर आप अक्सर सिर दर्द से परेशान रहते है तो दोनों भौहों के बीच मौजूद प्वाइंट को उंगलियों की मदद से लगभग 45 सैकेंड तक दबाएं। भौहों के बीच वाले हिस्से को दबाने से अलग किस्म की ऊर्जा पैदा होती है, जिससे सिर दर्द की समस्या झट से गायब हो जाती है। इसके अलावा इससे कई प्रकार की समस्याएं दूर होती है।

एलोवेरा लगा सकता है आपकी खूबसूरती में चार चांद, जानें कैसे

दिल्ली और एनसीआर में हर तबका एयर पोल्यूशन और धुंध की समस्या से परेशान है. ऐसे में अगर एलोवेरा, स्पाइडर प्लांट जैसे पौधों की संख्या बढ़ाई जाए तो कुछ हद तक धुंध से निजात मिल सकती है. शांति आश्रम के प्रमुख स्वामी पद्मा प्रकाश ने कहा, 'एलोवेरा कार्बनडाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड को अवशोषित करता है और ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाता है. ऐसा माना जाता है कि एलोवेरा का एक पौधा नौ एयर प्यूरीफायर के बराबर होता है.

एलोवेरा को आयुर्वेद में संजीवनी कहा जाता है. इसमें अमीनो एसिड की मात्रा भरपूर रहती है और विटामिन 12 की मौजूदगी से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बनी रहती है. एलोवेरा त्वचा की देखभाल से लेकर बालों की खूबसूरती तक और घावों को भरने से लेकर कैंसर से निजात पाने तक, हर परेशानी से राहत देता है.

एलोवेरा कुछ समस्याओं में ज्यादा कारगर है. यहां एलोवेरा के कुछ उपाय बताए जा रहे हैं.

आंखो की जलन को करें छू-मंतर: ज्यादातर देखा गया है कि कंप्यूटर के सामने घंटों बैठे रहने पर, टीवी को लगातार देखने पर या नींद पूरी न होने पर आंखों की समस्या पैदा हो जाती है. ऐसे में दो चम्मच एलोवेरा जेल को पानी में मिलाएं और इससे आंखों को धो लें. ऐसा करने से आंखों को आराम मिलेगा, साथ ही जलन से छुटकारा मिलेगा.

पिंपल्स और टैनिंग को करें दूर: आप अगर एलोवेरा के ज्यूस का सेवन करते हैं तो आप पिंपल्स व पिंपल्स के दागों से दूर रहते हैं. साथ ही टैनिंग की समस्या से भी मुक्ति पा सकते हैं.

जख्म भरे: अगर आपको कोई चोट लगी हुई है, या कोई घाव है, या फिर किसी कीड़े ने काट लिया है, तो होने वाली जलन से राहत पाने के लिए एलोवेरा का सेवन जरूर करें. ऐसा करने से आपके जख्म जल्दी भरेंगे.

झड़ते बाल व डैंड्रफ से छुटकारा: आजकल अधिकर लोग कम उम्र में ही गंजेपन का शिकार हो रहे हैं, वहीं कई ऐसे भी होंगे जो झड़ते बाल से निजात पाने के लिए रास्ता ढूंढ़ रहे होंगे. ऐसे में आप अपने कंडिशनर में केवल दो चम्मच एलोवेरा जेल मिला कर अगर बालों में लगाते हैं तो आप देखेंगे कि बालों में चमक के साथ-साथ मजबूती भी आ जाएगी.

जोड़ों के दर्द होंगे बंद: अगर आप जोड़ों के दर्द से परेशान हैं तो आप ताजा एलोवेरा जेल को जोड़ों पर लगाएं. आपको दर्द से राहत जरूर मिलेगी.

मोटापे से छुटकारा- कसरत व डाईट चार्ट को फालो करते-करते थक गए हैं तो अब आप एलोवेरा का सेवन करें. यह औषधि आपको प्राकृतिक रूप से वजन घटाने में आपकी सहायता करेगी.

साइनस से रहे दूर : अधिकांश लोगों को इस तरह की समस्या सर्दियों में बढ़ जाती है. ऐसे में दवाई लेना मजबूरी हो जाती है. यदि आप एलोवेरा का सेवन करते हैं तो साइनस की समस्या से दूर रह सकते हैं.

दांतों की देखभाल: दातों में होने वाली समस्या जैसे कैविटी, दाग-धब्बे, मसूड़ों में दर्द आदि को एलोवेरा से दूर किया जा सकता है. सबसे बड़ी बात यह कि आप हमेशा फ्रेश रहते हैं.

एलोवेरा एक एंटी-ऑक्सीडेंट है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत कर शरीर में होने वाली बीमारियों के खिलाफ एक कवच प्रदान करता है.

चिंताओं से छुटकारा मिल जाएगा जब उठाएंगे ये कदम

हर किसी के जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। ऐसे हर उतार के साथ आती हैं उससे जुड़ी चिंताएं। कुछ लोग इन चिंताओं से बच निकलते हैं, जबकि कई इन चिंताओं में ही घुले जाते हैं। कई बार तो ऐसा भी होता है कि मूल समस्या आपका उतना नुकसान नहीं करती, जितना कि उसे लेकर की गई चिंता कर देती है। माना कि चिंता से पूरी तरह दूर रहना लगभग असंभव है मगर कुछ बातों का खयाल रखकर आप अपनी चिंताओं पर लगाम लगा सकते हैं। इनमें तीन बातें प्रमुख हैं-

सूची बनाकर विश्लेषण करें

आपने सुना होगा कि अगर कोई बच्चा इस बात से डरा हुआ है कि उसके बिस्तर के नीचे राक्षस है, तो उसे एक बार बिस्तर के नीचे झांककर देखने के लिए राजी करना चाहिए। जब वह देख लेगा कि वहां ऐसा कुछ नहीं है, तो उसका डर और चिंता जाती रहेगी। यही

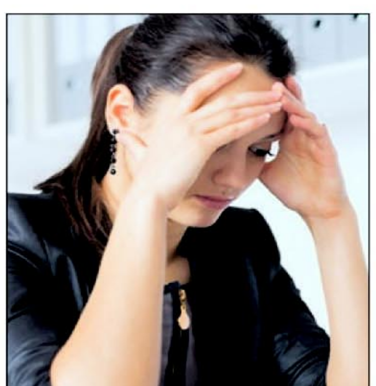

सिद्धांत बड़ों पर भी लागू होता है। क्यों न आप कागज-कलम लेकर सूची बना डालें कि आपको आखिर कौन-सी चीजों की चिंता खाए जा रही है? फिर, उसे गौर से पढ़े और विश्लेषण करें कि क्या वाकई ये इतनी चिंता करने लायक बातें हैं? हो सकता है कि इस प्रकार विश्लेषण करने पर आपको लगे कि इसमें चिंता करने लायक कोई बात ही नहीं थी। और अगर बात वाकई गंभीर है, तो फिर ठंडे दिमाग से समस्या का समाधान सोचें।

लिख डालें

अपनी चिंता के बारे में लिख लेने से एक फायदा यह होता है कि आपका दिमाग लगातार उसके बारे में सोचते रहने से मुक्त हो जाता है। कई मनोवैज्ञानिक बता चुके हैं किसी डर या चिंता को कागज पर लिख लेने से उसे दूर करने में मदद मिलती है। इससे तनाव कम होता है।

अपने दिमाग को पहचानें

यह सच है कि हमारे मस्तिष्क की कार्यशैली बड़ी जटिल है लेकिन इसे समझने की कोशिश हम नहीं करेंगे, तो भला कौन करेगा? इसलिए, यदि आप चिंता करने के आदी हैं, तो पहले यह समझने का प्रयास करें कि आपका दिमाग कब, किस तरह से काम करता है और क्यों। दिमाग की चिंता करने की फितरत पर काबू पाना है, तो इसकी कार्यशैली को समझना बहुत जरूरी है। याद रहे, यदि आप अपने दिमाग के काम करने के तरीकों को समझ लेंगे, तो खुश व तनावमुक्त रहने के तरीके भी खोज सकेंगे। वह यूं कि यदि आपने अपने दिमाग की कार्यशैली को समझ लिया, तो जैसे ही वह चिंता करना शुरू करेगा, आप उस पर काबू पाने की कोशिश शुरू कर सकते हैं।

कई बार हमें पता ही नहीं चलता कि कब चिंता का कीड़ा हमारे मस्तिष्क में प्रवेश कर गया और जब तक पता चलता है, तब तक बात बहुत आगे बढ़ चुकी होती है। इसलिए बात बढ़ने से पहले ही यदि समस्या को रोकना चाहते हैं, तो समय निकालकर अपने मस्तिष्क को जानने-समझने की कोशिश करें।

जींस खरीदते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप हर दिन जींस पहनना पसंद करती हैं आपको एक ऐसी जींस चाहिए जो कंफर्टेबल होने के साथ ही टिकाऊ भी हो। साथ ही जींस का लुक भी अच्छा होना बेहद जरूरी है। कई बार जींस खरीदते वक्त हम कंफ्यूजन में रहते हैं कि हमें जींस में कंफर्ट लेवल देखना चाहिए या लुक... हम आपको बता रहे हैं कि जींस खरीदते वक्त आपको किन 5 बातों का ध्यान रखना चाहिए...

कपड़े की क्वॉलिटी

जींस खरीदते वक्त फैब्रिक पर खास ध्यान दें। जींस खरीदते वक्त जल्दबादी बिलकुल न करें बल्कि जींस को अच्छी तरह से छूकर देख लें ताकि आपको कपड़े की क्वॉलिटी के बारे में पता चल जाए। साथ ही जींस खरीदते वक्त उसके ब्रैंड के बारे में भी जरूर जान लें।

कितनी मात्रा में है कॉटन

जींस खरीदने से पहले लेबल जरूर जांचना चाहिए ताकि जींस में डेनिम यानी कॉटन की मात्रा पता कर सकें। कई बार जींस में खिंचाव बढ़ाने के लिए उसमें डेनिम के साथ लाइक्रा भी मिला दिया जाता है। यदि आपकी जींस में डेनिम का प्रतिशत 90 से 100 न हो, तो वो आरामदायक नहीं होगी और उसकी फिटिंग भी अच्छी नहीं होगी।

कुछ नया ट्राई करें

अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर हमेशा एक जैसी जींस खरीदने की बजाए कुछ नया ट्राई करने की कोशिश करें। बहुत से लोग ऐसे होते हैं जो हमेशा एक जैसी जींस ही पहनते और खरीदते हैं जिससे उन्हें नए फैशन के बारे में पता नहीं चलता।

अकेजन का रखें ध्यान

जींस खरीदने से पहले आपको इस बात का ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि आप किस उद्देश्य से जींस खरीद रहे हैं। ऑफिस में कैजुअल थीम के तौर पर पहनने के लिए या दोस्तों के साथ आउटिंग पर जाने के लिए। अगर ऑफिस के लिए जींस खरीद रही हैं तो आपकी जींस सिंपल और क्लासी होनी चाहिए और अगर घूमने फिरने के मकसद से खरीद रही हैं तो आप स्लिम फिट या डिजाइनर जींस भी खरीद सकती हैं।

रेसिपी

मुरमुरे के लड्डू

सामग्री

- गुड़- 250 ग्राम
- पफ्ड राइस- 100 ग्राम
- पानी- जरूरत अनुसार

विधि

एक बर्तन में 250 ग्राम गुड़ डालकर धीमी आंच पर पकाएं। एक बार जब गुड़ पिघल जाए, तो गैस को तेज करके गुड़ को उबाल लें। इसमें 100 ग्राम पफ्ड राइस डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसके बाद गैस बंद कर लें। फिर अपने हाथों पर थोड़ा सा पानी लगाएं और तैयार मिश्रण की छोटी-छोटी गेदें बना लें। आपके मुरमुरे के लड्डू तैयार है, इसे ठंडा करके सर्व करें।

मैंगो केक

सामग्री

250 ग्राम मैदा, 250 ग्राम बटर, 4-5अंडे,2 चम्मच बेकिंग पाउडर, 200 ग्राम चीनी, 1 कप मैंगो प्यूरी,1 चम्मच मैंगो एसेंस, 2-3 आम, 3 कप क्रीम ।

विधि

सबसे पहले ओवन को 150 डिग्री पर गर्म करें। अब 1 बॉउल में अंडा और बटर अच्छे से फेंट लें फिर इसमें 5 चम्मच चीनी, नमक, मैंगो प्यूरी और मैंगो ऐसेंस मिला कर 5 मिनट के लिए रख दें। अब एक बर्तन में मैदा और बेकिंग पाउडर लें और उसमें तैयार अंडे की पूरी सामग्री को मिला कर 2 मिनट के लिए अलग रखें। फिर बेकिंग पैन में केक की तैयार सामग्री डालें और गरम ओवन में रखें। इसको 35 से 40 मिनट तक के लिये बेक होने दें। अब चीनी और क्रीम को 1 बॉउल में अच्छे से फेंट लें। जब केक बन जाए तब उसकी पूरी साइड को क्रीम से कवर करें और केक को आम के टुकड़ों से सजाएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**